www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक अनोखा तीर

हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित

निशाने पर हर खबर

12 जनवरी 2026
हरदा, सोमवार
वर्ष-15, अंक - 219, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
माघ कृष्णा पक्ष - 8
विक्रम संवत् 2082

माइनस 30 डिग्री में बर्फ से बनाई कलाकृति

हार्बिन आइस एंड स्नो में पाया तीसरा स्थान

सिंगरौली (ऐजेंसी)। चीन में 6 से 9 जनवरी तक आयोजित 28वीं हार्बिन इंटरनेशनल आइस एंड स्नो स्कल्पचर प्रतियोगिता में भारतीय टीम 'अभ्युदय' ने तीसरा स्थान हासिल किया है। इस टीम का नेतृत्व मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के कलाकार सुनील कुमार कुशवाहा ने किया।

सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो के तहत हुई इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनिया के 16 देशों की 25 टीमों ने भाग लिया। भारतीय टीम ने 'फ्रीडम फ्रॉम बाउंड्रीज' शीर्षक से 14×10×10 फीट आकार की बर्फ की विशाल कलाकृति बनाई।

कलाकारों ने माइनस 30 डिग्री ठंड में बनाई कलाकृति- माइनस 25 से 30 डिग्री की कड़ाके की ठंड, तेज हवाओं और सीमित समय के बावजूद टीम अभ्युदय ने संयम और रचनात्मकता का परिचय दिया। टीम ने समय पर अपनी कलाकृति पूरी की।सिंगरौली के सुनील कुमार कुशवाहा के लिए यह उपलब्धि उनके जिले और मध्य प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है।

पति ने पढ़ाया-लिखाया, एसआई बनते ही पत्नी ने तलाक मांगा

पंडिताई करता है पति; बोली- उसके पहनावे,

अनोखा तीर, भोपाल।

भोपाल के फैमिली कोर्ट में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पति ने पंडिताई कर पैसे जोड़कर पत्नी को पढ़ाया-लिखाया ताकि वह पुलिस अफसर बन सके। सब-इंस्पेक्टर बनते ही पत्नी ने कोर्ट में तलाक की अर्जी लगा दी। पत्नी का कहना है कि पति के पहनावे और उसके पेशे से शर्म आने लगी है। उसका लुक अच्छा नहीं लगता है। वहीं, पति का कहना है कि पत्नी उसकी चोटी कटाने का दबाव बनाती है।

पत्नी का सपना पुलिस में भर्ती होना था- शादी के समय महिला का सपना पुलिस विभाग में भर्ती होने का था। पति ने उसकी इस इच्छा का सम्मान किया। पति पेशे से पंडित है और पूजा-पाठ करके घर चलाता है। उसने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा पत्नी की पढ़ाई और तैयारी में लगाया।

पति के सामने रखी बदलने की शर्त- पत्नी की मेहनत रंग लाई और वह सब-इंस्पेक्टर बन गई। कामयाबी मिलते ही पत्नी का बर्ताव पति के लिए बदलने लगा। उसके पहनावे और लुक्स से पत्नी चिढ़ने लगी और इसमें बदलाव करने की शर्त रख दी।

1101 ट्रैक्टरों की ऐतिहासिक रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

सीएम ने 1101 ट्रैक्टरों को हरी झंडी दिखाई

- कोदो-कुटकी की खरीद एमएसपी पर, सरकार तीन वर्षों में 30 लाख किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराएगी
- सीएम ने खुद ट्रैक्टर चलाकर दिया संवेदनशील नेतृत्व का संदेश

अनोखा तीर, भोपाल।

कृषक कल्याण वर्ष-2026-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रेक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रेक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजत और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी

सीएम बोले- जो कहा करके दिखाया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान किसान बलराम की जय के जायके लगवाए। उन्होंने कहा कि दुनिया में प्रकृति के साथ जीवन जीने की परंपरा केवल भारत में है। किसान कल्याण वर्ष को प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने केवल कृषि विभाग ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े 16 मंत्रालयों को एक साथ जोड़ा है, ताकि गांवों में किसानों की आय बढ़ाई जा सके।

प्रदेश नदियों का मायका है और नर्मदा पर बांध बनाकर पूरे मध्यप्रदेश को हरा-भरा किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की विशाल सभा देखकर उन्हें भगवान महाकाल का आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश नदियों का मायका है और नर्मदा पर बांध बनाकर पूरे मध्यप्रदेश को हरा-भरा किया गया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बांध निर्माण में भी कांग्रेस ने कंजूसी की, जबकि हमारी सरकार ने प्रदेश के विकास को नई दिशा दी। सीएम यादव ने कहा कि उनकी सरकार ने लाड़ली बहनों को 1500 रुपए प्रतिमाह देने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसान सम्मान निधि के तहत 6 हजार रुपए दिए जाते हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसमें 6 हजार रुपए और जोड़कर किसानों को सालाना 12 हजार रुपए देने की व्यवस्था शुरू की।

प्रदेश में फूड पार्क विकसित होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों के लिए यह केवल एक दिन का कार्यक्रम या कर्मकांड नहीं, बल्कि पूरा वर्ष 16 विभागों के माध्यम से काम करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज जल्दी खराब होने की समस्या को दूर करने के लिए प्रदेश में फूड पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य मिल सके। सरकार किसानों को सब्सिडी देकर इन उद्योगों में भागीदार भी बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी 5 हॉर्सपावर के बिजली कनेक्शन के लिए किसानों को 7,500 रुपए जमा करने पड़ते हैं, लेकिन सरकार तीन वर्षों में 30 लाख किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराएगी, जिससे उन्हें मुफ्त बिजली मिलेगी। उन्होंने भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष से आह्वान किया कि वे किसानों को संगठित कर इस योजना का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

डिंडोरी में श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेजी से कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है। वर्तमान में खेती का रकबा लगभग ढाई लाख हेक्टेयर बढ़ा है, जो सरकार की नीतियों का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चल रही तीन नदी जोड़ो परियोजनाओं से करीब 16 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उत्पादन में बड़ा इजाफा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डिंडोरी में श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिससे मोटे अनाज के उत्पादन और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कोदो और कुटकी की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी, ताकि आदिवासी और छोटे किसानों को सीधा लाभ मिल सके ।मुख्यमंत्री ने कहा, हमने किसानों से जो वादा किया था, उसे निभा रहे हैं।

छिंदवाड़ा में सड़क हादसा, युवक की मौत

ट्रक ने कार को टक्कर मारी, यात्री प्रतीक्षालय में घुसी

अनोखा तीर, छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर हाईवे पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। अंजनिया रोड स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना शनिवार-रविवार रात्रि करीब 12.30 बजे तनवीर मंसूरी (25) पिता मोहम्मद नदीम मंसूरी, निवासी विद्यासागर रेजिडेंसी, थाना देहात, अपने दो दोस्तों के साथ किआ सेल्टोस कार से सारना की ओर से आ रहा था।इसी दौरान हिंदुस्तान लीवर साबुन फैक्ट्री के सामने सामने से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने कार को टक्कर मार दी।

खरगोन के होम स्टे पहुंचा नीदरलैंड का दंपती

पांच दिन ठहरे विदेशी मेहमान, बैलगाड़ी पर घूमे, दाल-बाटी खाकर बोले- वेरी टेस्टी

अनोखा तीर, खरगोन।

खरगोन जिले में नीदरलैंड के एक दंपती ने ग्रामीण जीवन और निमाड़ी संस्कृति का अनुभव किया। एरेना और पीटर नामक यह दंपती बोथू गांव स्थित एक होम स्टे में पांच दिनों तक ठहरा, जहां उन्होंने स्थानीय खानपान और गतिविधियों का आनंद लिया।

अपने प्रवास के दौरान, दंपती ने निमाड़ी झूले का लुत्फ उठाया और ज्वार-मक्का की रोटी, दाल बाटी तथा अमाड़ी की भाजी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा और कहा- इट इज वैरी टेस्टी। उन्होंने नर्मदा नदी की सैर की और सहस्त्रधारा का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने किसानों से खेती-किसानी और पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी ली।

भोजन की खूब सराहना की- दंपती ने बैलगाड़ी पर गांव का भ्रमण किया और गोबर के उपले बनते देखकर उसे सीखा। उन्होंने उपलों के साथ तस्वीरें भी लीं।

होम स्टे से लौटते समय, उन्होंने वॉयस गूगल ट्रांसलेट के माध्यम से मोबाइल पर गोदावरी बाई द्वारा तैयार किए गए भोजन की खूब सराहना की। युवाओं के आग्रह पर गोदावरी बाई ने भी उन्हें धन्यवाद दिया। नीदरलैंड की सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त यह दंपती भारत भ्रमण पर है। उन्होंने इस क्षेत्र में घूमने के लिए गूगल सर्च का उपयोग किया और बोथू स्थित होम स्टे तक पहुंचे। होम स्टे संचालक सागर पटेल ने बताया कि यह पहली बार था जब उनके यहां कोई विदेशी मेहमान ठहरा।

मिट्टी का घर-शांत वातावरण पसंद आया

मेहमानों को मिट्टी का घर और गांव का शांत वातावरण विशेष रूप से पसंद आया।

पीटर ने बताया कि उन्होंने दो बार नर्मदा नदी पार की और उन्हें यहां का भोजन बहुत पसंद आया। एरेना ने कहा कि उन्हें विलेज टूरिज्म काफी अच्छा लगा, खासकर बैलगाड़ी पर भ्रमण आनंददायक था और सुबह का सूर्योदय मनमोहक लगा।

22 होम स्टे बनाए गए हैं

खरगोन जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 होम स्टे बनाए गए हैं। ये होम स्टे नर्मदा किनारे के बोथू और केरियाखेड़ी जैसे गांवों में स्थित हैं। वर्तमान में, इन स्थानों पर देश और प्रदेश के पर्यटक पहुंच रहे हैं।

संपत्ति के विवाद में 90 साल के पिता की हत्या, तीसरे पत्नी के बेटे ने ली जान

रीवा (एजेंसी)। शहर से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां संपत्ति के विवाद में एक पुत्र ने अपने ही वृद्ध पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पिता की संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मामला बिछिया थाना क्षेत्र का है।

रिटायर्ड पटवारी थे बुजुर्ग- यह घटना रीवा शहर के बिछिया थाना अंतर्गत शिल्परा इलाके की है। मृतक की पहचान 90 वर्षीय राम रतन वर्मा के रूप में हुई है, जो पेशे से रिटायर्ड पटवारी थे। बताया जा रहा है कि राम रतन वर्मा की तीन पत्नियां थीं और वे सभी एक ही परिसर में रहती थीं, हालांकि उनके दरवाजे और आंगन अलग-अलग थे।

संपत्ति के बटवारे को लेकर विवाद- शुक्रवार देर रात परिवार में संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान तीसरी पत्नी के पुत्र महेंद्र वर्मा ने अपने पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान वृद्ध पिता ने आरोपी को अपना पुत्र मानने से इनकार कर दिया था, जिससे आक्रोशित होकर पुत्र ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल राम रतन वर्मा को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कम पानी पीने से बढ़ता है किडनी स्टोन का रिस्क

- आयुर्वेदिक काढ़े पर रिसर्च, दर्द और जलन से राहत, पथरी का आकार भी हुआ आधा

अनोखा तीर, भोपाल।

पेशाब में जलन, कमर और पेट के निचले हिस्से में असहनीय दर्द, बार-बार यूरिन की समस्या और अचानक खून आना, ये लक्षण किडनी स्टोन यानी पथरी से जूझ रहे मरीज को झेलने पड़ते हैं। मॉडर्न मेडिसिन में इसका स्थायी इलाज सर्जरी माना जाता है, लेकिन भोपाल के आयुर्वेद संस्थान में हुए एक नए रिसर्च ने इस सोच को चुनौती दी है।

आयुर्वेद के अनुसार श्वद्रंष्ट्रादि क्वाथ (आयुर्वेदिक काढ़ा) में मौजूद औषधियां यूरिन ट्रैक की सूजन कम करने वाली और पथरी तोड़ने में सहायक मानी जाती हैं। यही कारण था कि इसके वैज्ञानिक प्रमाण के लिए एक अध्ययन भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में किया गया।

संस्थान में हुए अध्ययन में श्वद्रंष्ट्रादि क्वाथ 90 दिन तक किडनी स्टोन से ग्रसित 40 मरीजों को दिया गया। इस शोध में न सिर्फ मरीजों के दर्द और जलन में

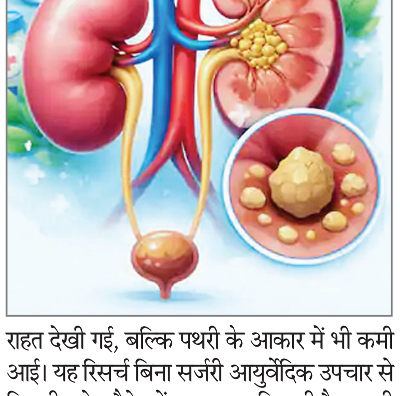

राहत देखी गई, बल्कि पथरी के आकार में भी कमी आई। यह रिसर्च बिना सर्जरी आयुर्वेदिक उपचार से किडनी स्टोन मैनेजमेंट का रास्ता दिखाती है। इसकी वजह है कि 73 प्रतिशत मरीजों में सुधार देखा गया, जबकि किसी भी मरीज से हालत बिगड़ने की शिकायत नहीं आई।

दिन में दो बार पीना होगा काढ़ा

रिसर्च में शामिल 40 मरीजों को श्वद्रंष्ट्रादि क्वाथ दिया गया। इन्हें खुराक के रूप में 30 मिली काढ़े को दिन में दो बार दिया गया। यह प्रक्रिया 90 दिन तक जारी रही। इस दौरान साथ में गुनगुना पानी और आयुर्वेदिक आहार नियमों का पालन भी करना अनिवार्य था।

केस वन -1

4 एमएम की थी पथरी, 3 माह बाद डेढ़ एमएम बची- सीधी जिले की 42 वर्षीय अंबिका मिश्रा लंबे समय से किडनी में स्टोन की समस्या से परेशान थी। अचानक उठने वाले दर्द के कारण कई बार वो दो से तीन पेन किलर की गोलियां तक खा लेती थीं। स्थानीय डॉक्टरों ने उन्हें ज्यादा पेन किलर ना खाने और सर्जरी कराने की सलाह दी थी। वे भोपाल आईं और पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान के विशेषज्ञों की सलाह पर श्वद्रंष्ट्रादि क्वाथ (आयुर्वेदिक काढ़ा) नियमित रूप से सुबह और शाम पीना शुरू किया। तीन माह बाद उनकी दर्द की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई थी। जांच में पथरी का साइज भी डेढ़ एमएम के करीब आया।

केस -2

दर्द से मिला आराम, दिल्ली लौटे- भोपाल के 32 वर्षीय वेब डेवलपर राहुल जैन मल्टीनेशनल कंपनी में टीम लीड की पोजिशन पर काम करते हैं। उनकी दिल्ली में हेड ऑफिस में पोस्टिंग है। राहुल को बीते साल जून माह में अचानक पथरी का दर्द उठा। जांच कराई तो किडनी में 5 एमएम का स्टोन होने की बात सामने आई।

सीधी में दिखा दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों का समूह

- **अधिकारी बोले-** संजय टाइगर रिजर्व में अनुकूल पर्यावरण के संकेत

सीधी (एजेंसी)। सीधी जिले के मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत ठोंगा में 6 और 11 जनवरी को गिद्धों का एक बड़ा समूह देखा गया। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी इस दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों को ग्रामीणों ने अपने कैमरों में कैद किया, जिससे वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरणविदों में चर्चा तेज हो गई है।

गिद्ध कत्थई और काले रंग के भारी कद के पक्षी होते हैं, जिनकी दृष्टि अत्यंत तेज होती है। ये झुंड में रहने वाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जो मृत पशुओं और सड़े-गले मांस को खाकर प्रकृति की सफाई में अहम भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें 'प्राकृतिक सफाईकर्मी' भी कहा जाता है।

इनकी आयु सामान्यतः 40 से 45 वर्ष तक होती है, और ये चार से छह साल की उम्र में प्रजनन योग्य हो पाते हैं। गिद्धों की दृष्टि इंसानों से लगभग आठ गुना बेहतर मानी जाती है; ये खुले मैदान में चार मील दूर से भी शव देख सकते हैं।

दो दशकों से गिद्धों की संख्या में गिरावट- बीते दो दशकों में गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसका मुख्य कारण पशुचिकित्सा में उपयोग होने वाली डिक्लोफेनिक दवा रही है, जो मृत पशुओं के मांस के साथ गिद्धों के शरीर में पहुंचकर उनकी किडनी फेल कर देती थी। वर्ष 2008 में इस दवा पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके अलावा, हाई लेवल बिजली टॉवर और तारों से टकराने के कारण भी गिद्धों का पलायन और मौत हुई है।

सार-समाचार

धौलपुर में हिंदू सम्मेलन संपन्न

सामाजिक समरसता एवं सहभोज का हुआ आयोजन

अनोखा तीर, धौलपुरकला। ग्राम बारजा, सामरधा, निमांचा, सौताड़ा एवं धौलपुर के सकल हिन्दू समाज द्वारा आयोजित वृहद हिन्दू सम्मेलन एवं सामाजिक समरस सहभोज का कार्यक्रम 11 जनवरी 2026 को ग्राम धौलपुर कला में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता धौलपुर निवासी एवं कृषक बद्रीनारायण जराजपूत द्वारा की गई। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में कैलाश आश्रम भिलाड़िया जिला नर्मदापुरम से संत वृंद परम् पूज्य श्री

लक्ष्मणानन्द एवं परम् पूज्य श्री नरेन्द्रानंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। जिनका ओजस्वी उद्बोधन सकल हिन्दू समाज को प्राप्त हुआ। अंत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरदा के जिला सेवाप्रमुख पदमसिंह राजपूत जो इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि थे उनका भी सारगर्भित उद्बोधन सकल हिन्दू समाज को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित संजय दुबे जी ने मंत्रोच्चार के साथ की और अंत में उन्हीं के द्वारा आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम का संचालन रोहित काशिव ने किया। अंत में बारजा, सामरधा, निमाचा, सौताड़ा, धौलपुर से पधारे सकल हिंदू समाज के पुरुष एवं मातृशक्ति बालवृद सामाजिक समरसता सहभोज में शामिल हुए। जिसमें लगभग 2300 से अधिक समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बद्रीनारायण राजपूत का ओजस्वी और प्रेरणादायक अध्यक्ष उद्बोधन सभी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान ग्राम धौलपुर की भजन मंडली द्वारा अपनी सुंदर प्रस्तुति दी गई। साथ ही हनुमान चालीसा एवं भारत माता की आरती ने भी सभी को मंत्रमुग्ध किया।

3 दिवसीय सहज राजयोग पाठ्यक्रम एवं ध्यान सत्र का आयोजन आज से

अनोखा तीर, टिमरनी। नगर के ब्रह्मकुमारीज सेवा केन्द्र में 3 दिवसीय सहज राजयोग पाठ्यक्रम एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। बताया गया कि शिव महापुराण के आयोजन के पश्चात प्रभु-प्रेमी एवं आध्यात्मिक उन्नति के इच्छुक भाई-बहनों के लिए साप्ताहिक राजयोग पाठ्यक्रम एवं मेडिटेशन का 3 दिवसीय विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। यह सत्र 12 जनवरी से प्रारंभ होकर तीन दिनों तक चलेगा। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत आत्म-परिचय, परमात्मा से योग, सकारात्मक सोच, तनाव-मुक्त जीवन तथा राजयोग ध्यान का गहन अभ्यास कराया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 12 जनवरी को दोपहर 3 बजे से होगा। सभी प्रभु-प्रेमी, साधक एवं इच्छुक भाई-बहन इस अवसर का लाभ लेकर अपने जीवन को शांत, पवित्र एवं शक्तिशाली बनाने हेतु सादर आमंत्रित हैं।

कान्हा बाबा मेले में अंतिम रविवार रही कम भीड़

अनोखा तीर, सोडलपुर। ग्राम में पिछले एक माह से चल रहे श्री गुरु कान्हा

बाबा मेले में अंतिम रविवार को कम भीड़ देखने को मिली। व्यापारियों को अंतिम रविवार अच्छी भीड़ की उम्मीद थी, लेकिन उस हिसाब से भीड़ नहीं पहुंची। जिससे व्यापारी मायूस नजर आए। ज्ञात हो कि मेला पिछले एक माह से चल रहा है, जिसमें सजी हुई सभी तरह की दुकानों पर पिछले आठ दिनों में अच्छी ग्रहकी हुई है। 14 जनवरी को मेले की परमिशन समाप्त हो रही है, लेकिन रविवार को भीड़ कम रहने से सोमवार से मेला उतार पर लग जाएगा।

हिंदू सम्मेलन के जरिए दिया सामाजिक समरसता का संदेश

अनोखा तीर, रमगढ़ा। क्षेत्र के प्रसिद्ध रुद्र धाम आश्रम में रविवार को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में सनातन पद्धति से जुड़े अनुयायियों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना और प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करना रहा। सम्मेलन का शुभारंभ ग्राम में निकाली गई भव्य समरसता रैली के साथ हुआ। रैली का स्वागत आतिशबाजी और बैंड-बाजों की गूंज के साथ किया गया। रैली के माध्यम से पूरे ग्राम में सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया गया। रैली में बड़ी संख्या में सनातनी हाथों में भगवा ध्वज लिए जयघोष करते हुए चले। जिससे पूरा वातावरण धर्ममय हो गया। रैली के पश्चात मुख्य कार्यक्रम रुद्र धाम आश्रम में आयोजित किया गया। यहाँ उपस्थित विद्वान वक्ताओं ने समाज के वर्तमान हालातों पर प्रहार करते हुए कहा कि हिंदू समाज की मजबूती के लिए जातिगत भेदभाव को पूरी तरह खत्म करना अनिवार्य हैं। हमें समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर एक स्वच्छ और सभ्य समाज का निर्माण करना होगा। वर्तमान समय की चुनौतियों को देखते हुए वक्ताओं ने समाज को अपनी प्राचीन धार्मिक संस्कृति और संस्कारों की ओर वापस लौटने की प्रेरणा दी। सम्मेलन के अंत में उपस्थित जनसमूह ने समाज में समरसता लाने और सनातन धर्म के सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लिया।

स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर आज आयोजित होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम

अनोखा तीर, खंडवा। स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर सोमवार को जिले के सभी स्कूलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी ने बताया कि सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रमों में शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी, शिक्षक प्रतिनिधि तथा पालक सहभागी होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थी दर्शक के रूप में उपस्थित रहेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री सोलंकी ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम रायचंद नागड़ा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खंडवा में आयोजित होगा।

रामलीला महोत्सव

सीता हरण का मंचन हुआ

अनोखा तीर, बालागांव।

क्षेत्र के ग्राम बालागांव में बालेश्वर धाम में शिव शक्ति युवा रामलीला समिति द्वारा सीता हरण का संवाद का मंचन युवाओं द्वारा बखूबी निभाया गया। इसका लगती ठंड में भी दूर दराज से आसपास के क्षेत्र के लोगों का रामलीला देखने जन सैलाब उमड़ा। जिसमें दिखाया गया कि जब श्रीराम, लक्ष्मण और सीता सहित चित्रकूट में अपनी कुटिया बनाकर रह रहे थे, तभी एक दिन वहां से रावण की बहन सूर्पणखा आकाश की ओर से जा रही थी। उसकी नजर श्रीराम व लक्ष्मण पर पड़ी। वह उन्हें देखकर उन पर मोहित हो गई और सुन्दर स्त्री का रूप धारण कर उनके समक्ष जाकर उनसे विवाह का प्रस्ताव रखने लगी। तब श्रीराम ने मना करते हुए कहा कि- मैं तो विवाहित हूं और आजीवन दूसरा विवाह न कर सकने के लिए प्रतिज्ञाबद्ध हूं। तुम लक्ष्मण से बात करो। फिर वह लक्ष्मण के समीप जाकर विवाह प्रस्ताव रखने लगी तो उन्होंने भी इन्कार कर दिया। इस पर वह गुस्से में सीता पर प्रहार करने लगी। तभी लक्ष्मण ने माता सीता को उससे बचाते हुए उसकी नाक काट दी थी।

सूर्पणखा व रावण की योजना- सूर्पणखा रोते हुए रावण के पास गई और वहां जाकर सब बात बताई। तब रावण ने गुस्से में सीता हरण की योजना बनाते हुए मारीच राक्षस को वहां सुन्दर हिरण के रूप में भेजा। हिरण को देखकर सीता ने राम को उस हिरण को लाने को कहा। सीता को अकेले ना छोड़ने का आदेश लक्ष्मण को देकर राम हिरण पकड़ने चले गए। जैसे ही राम का बाण हिरण बने मारीच को लगा, उसने ने राम की आवाज़ में लक्ष्मण और सीता को पुकारा। राम की आवाज़ सुनकर सीता ने लक्ष्मण को राम की मदद के लिए जाने का आदेश दिया। सीता की आज्ञा सुन, लक्ष्मण ने सीता को लक्ष्मण रेखा में सुरक्षित किया और राम की मदद को चल दिए।

रावण द्वारा सीताहरण- तभी साधु का रूप धरकर रावण भोजन लेने सीता की कुटिया के पास आ पहुंचा और सीता से लक्ष्मण रेखा से बाहर आकर भोजन देने को कहा। जैसे ही सीता भोजन देने लक्ष्मण रेखा से बाहर आईं, रावण ने सीता का अपहरण कर लिया। राम ने लक्ष्मण को देखकर उनसे सीता को अकेले छोड़ आने का कारण पूछा।

खतरे को भांपकर दोनों ने कुटिया की ओर दौड़ लगाई। सीता का अपहरण कर ले जा रहे रावण से जटायु ने सीता को बचाने के लिए युद्ध किया। कुटिया में सीता को ना पाकर राम, लक्ष्मण सीता को खोजने निकल पड़े। पुष्पक विमान से रावण द्वारा अपहरण कर ले जा रही सीता ने वानरों को देखकर अपने गहनों को धरती पर फेंकना शुरू कर दिया और अपना संदेश राम तक पहुंचाने का अनुरोध किया। इस मौके पर कांग्रेस विधायक आरके दोगने द्वारा मंडल को 11001 रुपए एवं जनपद उपाध्यक्ष गौरी शर्मा द्वारा 5001 रुपए की राशि दी गई। साथ ही रामलीला मंडल के सदस्य संतोष गौर द्वारा 5001 रुपए की राशि दी गई। वहीं सचिव उमाशंकर गौर उनके जन्मदिन के अवसर पर 1101 रुपए की राशि मंडल को दान दी गई।

जनता की वर्षों पुरानी मांग ताकत से उठी

- सोनपुरा-मक्तापुर रोड निर्माण के लिए प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

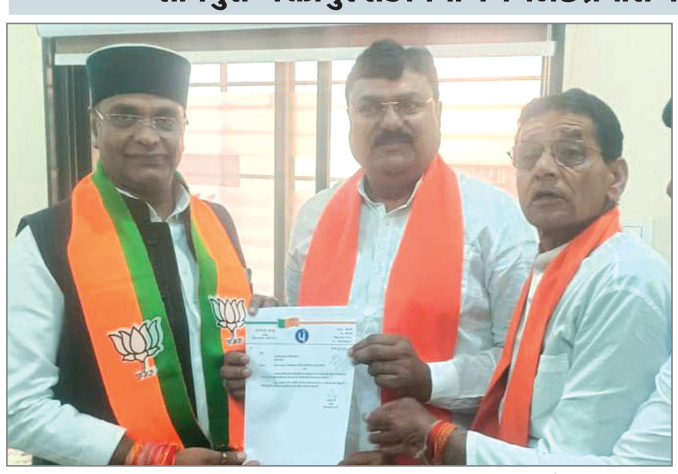

अनोखा तीर, खिरकिया। क्षेत्र की सबसे अहम और लंबे समय से लंबित सड़क परियोजना सोनपुरा से मक्तापुर तक 5 किमी सड़क निर्माण को लेकर आज बड़ा राजनीतिक मूवमेंट देखने को मिला। जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग के एक दिवसीय दौरे के दौरान यह मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया गया। इस मौके पर पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल ने जनता की समस्या को सामने रखते हुए सोनपुरा-मक्तापुर सड़क के तात्कालिक निर्माण की मांग रखी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रतिनिधि ललित पालीवाल भी मौजूद रहे। पालीवाल ने बताया कि यह सड़क कमल पटेल के मंत्रीकाल में स्वीकृत हो चुकी थी। लेकिन प्रशासनिक स्वीकृति में त्रुटि के कारण निर्माण रुक गया। जनता वर्षों से धूल, कीचड़ और जर्जर मार्ग से परेशान है।

अब पूर्व विधायक प्रतिनिधि ललित पालीवाल ने आवेदन देते हुए प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग से निवेदन गया है। जिस पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस सड़क का निर्माण जल्द शुरू कराया जाएगा। इसी दौरान पूर्व मंत्री कमल पटेल ने भी बड़ा बयान देते हुए कहा कि मेरे मंत्री रहते हुए क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दिलाई थी, अधिकांश का काम जारी है। यह सड़क छूट गई थी, लेकिन अब इसके निर्माण के लिए मैं पूरी ताकत से प्रयास कर रहा हूं। इस सड़क के बनने से सोनपुरा, मक्तापुर और आसपास के गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। जिसमें एंबुलेंस और यातायात में सुविधा, खेती-किसानी और व्यापार में तेजी आएगी एवं छात्रों व आमजन को राहत मिलेगी।

विवेकानंद बस्ती में भव्य हिंदू सम्मेलन संपन्न

3 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता

अनोखा तीर, टिमरनी।

विवेकानंद बस्ती में रविवार को आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन उत्साह, अनुशासन और सामाजिक चेतना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चंदन है इस देश की माटी तपोभूमि हर ग्राम है, हर बाला देवी की प्रतिमा बच्चा-बच्चा राम है...। इस सुंदर गीत से भजन मंडल के कार्यकर्ताओं की प्रस्तुति ने इस कार्यक्रम को देशभक्ति के भाव से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती एवं गौ माता के पूजन से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्णकांत मलाजपुरे ने की। मुख्य अतिथि भादूगांव मठ के महामंडलेश्वर संत कारदास जी महाराज रहे। उन्होंने अपने आशीर्वचन में धर्म की परिभाषा को अनेक उदाहरणों से समझाते हुए कहा कि धर्म हमें जीने का तरीका सिखाता है, धर्म कहने की वस्तु नहीं है अपितु धर्म आचरण में लाने की वस्तु है। उन्होंने कहा कि कलयुग में संगठन ही शक्ति है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नरेंद्र भाम्बू हरदा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बतलाएं, पांच परिवर्तन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने उपस्थित सनातनियों से इन विचारों को अपने जीवन में उतारने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गुलामी के अनेक वर्षों के बाद भी आज भारत सुरक्षित है, इसके मूल में हमारी कुटुंब व्यवस्था ही है। परंतु आज देखने में यह आता है कि परिवार छोटे होते जा रहे हैं। यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नागरिक शिष्टाचार हम सभी को अपनाना चाहिए। संविधान में दिए अधिकारों के साथ-साथ हमें जो कर्तव्य बतलाए गए हैं उनका पालन करना हमारे जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। क्योंकि रामायण में कर्तव्य था तो व्यवस्था ठीक थी, परंतु महाभारत इसलिए हुआ क्योंकि उसमें केवल अधिकार की ही भावना थी। शहर हो या ग्राम समरसता को हमें अपनाना होगा। कार्यक्रम में विवेकानंद बस्ती के समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। जिसमें जल सेवा समिति, भागवत समिति, पर्यावरण संरक्षण, एवं संयुक्त परिवार शामिल रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. विवेक भस्कुटे ने सबके समक्ष रखी। कार्यक्रम का संचालन राहुल सोमवंशी, प्रीति बंसल एवं भावना रावत ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन सचिन कटारे ने माना। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर गेट, सनराइज स्कूल के विद्यार्थियों एवं जनजातीय छात्रावास के भाई-बहनों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

धनुर्मास महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

श्री गोदा रंगनाथ भगवान के विवाहोत्सव पर निकली शोभायात्रा

अनोखा तीर, हरदा। रामानुज संप्रदाय द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी धनुर्मास महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत श्री गोदा रंगनाथ भगवान का कल्याण महोत्सव एवं विवाहोत्सव एक माह तक महाराणा प्रताप कॉलोनी स्थित श्री रामानुज कोट मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। हेमलता मुंदड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि धनुर्मास के दौरान प्रतिदिन भगवान की आरती, पूजन, दर्शन एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव के दौरान श्री गोदा जन्मोत्सव, झूला उत्सव, फाग उत्सव, ब्याओ हाथ, हल्दी उत्सव, मेहंदी उत्सव, घोड़ी बन्ना, मायरा, वारणा सहित अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे पूरे माह मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर शहर में भगवान श्री गोदा रंगनाथ जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया। तथा पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

पांचोर में भागवत कथा का समापन

सुदामा चरित्र सुन भावुक हुए श्रद्धालु

कृष्ण-सुदामा मिलन की झांकी ने मोहा मन

अनोखा तीर, भैरुंदा। ग्राम पांचौर में प्रवाहित हो रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवें एवं अंतिम दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कथा व्यास पंडित जितेंद्र शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण और उनके अनन्य मित्र सुदामा के चरित्र का ऐसा सजीव वर्णन किया कि पाण्डाल में मौजूद हर आंख नम हो गई। पंडित शास्त्री ने सुदामा के दरिद्रता से लेकर द्वारिकाधीश के महल तक की यात्रा का वर्णन करते हुए बताया कि सच्ची भक्ति और विश्वास कभी खाली नहीं जाता।

उन्होंने कहा कि सुदामा जी ने कभी कुछ मांगा नहीं। लेकिन भगवान ने बिना मांगे ही उन्हें सब कुछ अर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि परमात्मा केवल प्रेम के वशीभूत हैं। सुदामा की निस्वार्थ भक्ति ने भगवान को भी भावुक कर दिया। कथा के दौरान पंडित जी ने जीवन प्रबंधन और अध्यात्म पर कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि सुखदेव जी ने जिस प्रकार राजा परीक्षित को मृत्यु के भय से मुक्त कर मोक्ष दिलाया। वैसे ही भागवत कथा श्रवण से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पाप कट जाते हैं। मनुष्य को भागदौड़ भरी जिंदगी में ईश्वर के लिए समय जरूर निकालना चाहिए। क्योंकि अंततः केवल भक्ति ही साथ जाती है। उन्होंने कहा भागवत कथा केवल पुस्तक नहीं बल्कि साक्षात श्री कृष्ण का स्वरूप है। कथा के दौरान कृष्ण-सुदामा मिलन की मनमोहक झांकी निकाली गई। श्रद्धालुओं ने द्वारपालों कन्हैया से कह दो...जैसे भजनों पर नृत्य किया।

रुक्मणी विवाह की मनमोहक झांकी ने लूटा सबका दिल

अनोखा तीर, भोपाल। साकेत नगर गणेश मैदान में 5 जनवरी से चल रही आनंदमयी भागवत ज्ञान गंगा सप्ताह में कथाव्यास पुराण प्रभाकर शशांक शेखर महाराज रसमयी श्रीमद् भागवत महापुराण का आनंद बरसा रहे हैं। कथा के छठवें दिन श्री कृष्ण की मथुरा गमन लीला, उद्धव संवाद जैसी मार्मिक लीलाओं सहित, श्री कृष्ण के विवाह की लीलाओं का प्रसंग सुनाया।

नंदबाबा और यशोदा मैया के साथ गोकुल में 5 वर्ष11 माह का समय बिताने के बाद कन्हैया मथुरा के संदेश वाहक अक्रूर की बातें सुन उनके साथ जाने को तैयार हो जाते हैं। अक्रूर की बातें सुनकर यशोदा और नंदबाबा दुःखी हो जाते हैं।

गोप ग्वाल सब उदास होकर दुःखी मन से कृष्ण को मथुरा नही जाने को कहते हैं। छोटे से कन्हैया सभी गोकुल वासियों को समझाते हुए कि मैं वापस लौटकर आऊंगा, मैं मेरी मैया से दूर नही रह सकता कहकर..मथुरा चले जाते हैं। 11 वर्ष बाद उद्धव कृष्ण का संदेश लेकर वापस आते हैं और सभी ब्रजवासियों की दशा देखकर भावुक हो जाते हैं। नंदबाबा को कन्हैया की बात बताते हैं और खुद भी दुःखी मन से वापस लौट जाते हैं।

योगेश्वर कृष्ण के विवाह की मनमोहक झांकी- मथुरा की लीला को पूर्ण कर कृष्ण द्वारका के राजा बन जाते हैं। कृष्ण के गुणों को सुनकर रुक्मणी उनसे विवाह के लिए उन्हें प्रेम पत्र भेजती हैं।

कुख्यात राजू ईरानी को सूरत से भोपाल लाया गया

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच थाना निशातपुरा में रखा, राजू ने खुद को बताया प्रॉपर्टी डीलर

अनोखा तीर, भोपाल। भोपाल की निशातपुरा पुलिस कुख्यात राजू ईरानी को प्रोडक्शन वारंट पर रविवार को सूरत से भोपाल ले आई है। यहां उसकी चार मामलों में गिरफ्तारी की गई है। आरोपी इन चार मामलों में 2017 से लगातार फरार चल रहा था।

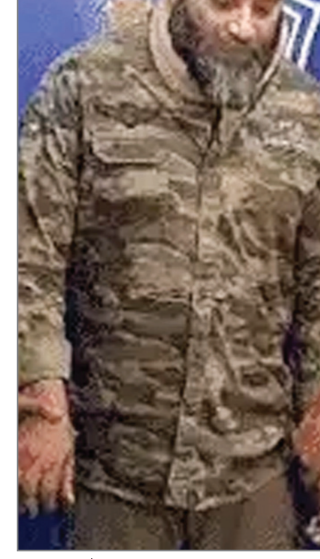

पुलिस की पूछताछ में आरोपी स्वयं को प्रॉपर्टी डीलर बता रहा है। उसने पुलिस को बताया कि कई सालों से उसने अपराधों से तौबा कर रखी है। समाज के गलत कामों के कारण उसकी बदनामी हुई।

हालांकि पुलिस का कहना है कि राजू के खिलाफ हत्या के प्रयास और आगजनी का केस बीते साल दिसंबर महीने में दर्ज किया गया था। इस मामले में उसकी तलाश थी, इसी के साथ बहराइच उत्तर प्रदेश में ठगी, महाराष्ट्र लूट और ठगी सहित भोपाल में ही 2017 के एक आगजनी के केस में उसकी तलाश थी। इन चारों मामलों में उसकी गिरफ्तारी कर ली गई है।

राजू बेहद शातिर किसन का अपराधी है। पुलिस को गुमराह करने लगातार अलग-अलग कहानियां बता रहा है। यहां तक कि उसने स्वयं को डेरे का सरदार होने की बात से भी इनकार कर दिया है। अब आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी है। रिमांड पर लेकर उससे पूछताछ की जाएगी।

देवी अहिल्या बाई चौक बोर्ड का अनावरण

अनोखा तीर, हरदा। धनगर युवा सेना जिला हरदा द्वारा रविवार को देवी अहिल्या बाई चौक का बोर्ड अनावरण का कार्यक्रम ग्राम नयागांव जिला हरदा में संपन्न किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश धनगर, प्रदेश संगठन मंत्री दुर्गेश धनगर, जिलाध्यक्ष रत्नदीप धनगर, जिला उपाध्यक्ष राहुल धनगर, जिला कोषाध्यक्ष मंगेश चंदेल, हरदा नगर अध्यक्ष अभिषेक धनगर, सदस्य पीयूष धनगर, राहुल धनगर, कान्हा जी धनगर, जिला मीडिया प्रभारी ऋतिक धनगर एवं नयागांव धनगर युवा सेवा टीम एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अनोखा तीर, हरदा। कार्यालय उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला हरदा में रविवार को जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय कृषि रथ को ग्राम पंचायतों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा, कृषि स्थाई समिति के सभापति ललित पटेल, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हरदा अशोक कुमार डेहरिया, उप संचालक कृषि जेएल कास्दे, उप परियोजना संचालक आत्मा अखिलेश पटेल, कृषि वैज्ञानिक डॉ. मुकेश कुमार बंकोलिया, पशुपालन

डॉ. एसएन बांके तथा कृषि एवं कृषि से संबंद्ध विभाग उद्यानिकी, मत्स्य, कृषि, सहकारिता के अधिकारी एवं कृषक भाई उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया। उप संचालक कृषि जेएल कास्दे ने बताया कि इस दौरान उपस्थत जनप्रतिनिधियों ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर हरदा विकासखंड की ग्राम पंचायत रूपीपरेटिया व रन्हाईकलां के लिए रवाना किया। उन्होने बताया कि कृषि रथ के माध्यम से किसानों को कृषि एवं संबंद्ध विभाग की विभागीय योजनाओं तथा जैविक खेती, प्राकृतिक कृषि, मृदा स्वास्थ कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व, फसल विविधिकरण, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्राणाली-पराली/नरवाई प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी जा रही है। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक द्वारा समसामायिक सलाह प्रदान की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मप्र शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में कृषि रथ संचालन करने के निर्देश दिये गए हैं। जिले में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने एवं कृषि रथ के सफल संचालन में कृषि एवं संबद्ध विभाग तथा किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कर नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीकी सुधार की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से कृषि रथ का संचालन जिले के तीनों विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में किया जाएगा।

स्मृतियों की सौंधी खुशबू के बीच हुआ 1976 बैच का भावनात्मक पुनर्मिलन

अनोखा तीर, हरदा। नगर के उच्चतर माध्यमिक शाला के 1976 बैच के पूर्व विद्यार्थियों का आत्मीय पुनर्मिलन समारोह 11 जनवरी 2026 को शहर के होटल बगिया में अत्यंत उल्लास और भावनात्मक वातावरण में आयोजित किया गया। ओमप्रकाश तिवारी, डॉ. विनोद तिवारी ने बताया कि लगभग 40 पूर्व छात्र वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर पुरानी यादों में खो गए और छात्र जीवन की स्वर्णिम स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम के

दौरान पूर्व छात्रों ने अपने संघर्ष, उपलब्धियों और जीवन के अनुभवों का आपसी आदान-प्रदान किया, जिससे पूरा वातावरण अपनत्व और आत्मीयता से भर उठा। इस अवसर पर अपने आदर्श शिक्षकों श्री भायरे एवं श्री सोनी का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान के भाव ने सभी को भावुक कर दिया। भोजन उपरांत सभी पूर्व छात्र अपने विद्यालय परिसर पहुंचे, जिसे वर्तमान में डॉ. बीआर अंबेडकर एक्सीलेंस स्कूल के नाम से जाना जाता है। वहां वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं विद्यालय के प्रति अपने जुड़ाव का प्रतीकात्मक संदेश दिया गया। पुरानी कक्षाओं, सहपाठियों और शरारती पलों की यादों को संजोते हुए सभी ने पुन: शीघ्र मिलने का संकल्प लिया। हंसी, भावुकता और अपनत्व से सजा यह पुनर्मिलन समारोह यादों की अमिट छाप छोड़ते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नर्मदापुरम एवं हरदा जिला समिति सम्मेलन आयोजित

अनोखा तीर, हरदा। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर, उमा विद्यालय गुलजार भवन में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्य प्रदेश की योजना अनुसार, नर्मदापुरम एवं हरदा जिले की संचालन समिति के पदाधिकारियों का संयुक्त सम्मेलन संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल प्रांतीय सह

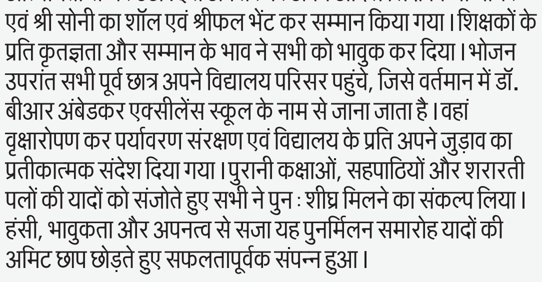

संगठन मंत्री, प्रांतीय अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता, संदीप केकरे प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं सौरभ उपाध्याय नर्मदापुरम विभाग समन्वयक ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मां सरस्वती की वंदना प्रार्थना के पश्चात उपस्थित समिति के सचिव, कोषाध्यक्ष, उपस्थित समिति सदस्य अथवा विद्यालय के प्राचार्य-प्रधानाचार्य द्वारा पीपीटी के माध्यम से संपूर्ण वर्ष की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियां संबंधी वृत प्रस्तुत किया। आगामी दो सत्रों में विद्यालय की गुणात्मक संख्या वृद्धि, शैक्षिक एवं भौतिक संसाधन व शैक्षिक उपलब्धियां में वृद्धि की दृष्टि से व्यापक कार्य योजना बनाई गई। समापन सत्र में प्रांतीय अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता द्वारा संघ के शताब्दी वर्ष में विद्या भारती के विद्यालयों में पंच परिवर्तन को रेखांकित करते हुए कहा है कि हमारे माध्यम से समाज में यह पंच परिवर्तन परिलक्षित हो। शैक्षिक उन्नयन, गुणवत्ता वृद्धि आदि विभिन्न विषयों के माध्यम से हमारे विद्यालय समाज की धुरी रही है। यह हमारा गौरव रहा है। सम्मेलन के अंतिम सत्र में सोहागपुर विद्यालय के प्राचार्य अशोक दुबे ने उपस्थित सभी महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने किया।

मुंबई के छात्रों ने कृषि, शिक्षा, पर्यटन एवं

रोजगार की संभावनाओं पर किया अध्ययन

अनोखा तीर, हरदा।

मिशन हरदा के अंतर्गत बिट्स प्लानी मुंबई से आए छात्रों ने हरदा जिले में कृषि, शिक्षा, पर्यटन एवं रोजगार की संभावनाओं पर अध्ययन किया। जिले में शिक्षा, कृषि एवं पर्यटन के विकास, इनके प्रचार-प्रसार तथा इन क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों को समझने और उन्हें कैसे दूर किया जा सके। सर्वप्रथम छात्रों से हरदा के प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन, कृषि, शिक्षा, रोजगार की संभावनाओं पर साहित्यकार ज्ञानेश चौबे, शिक्षाविद मनोज जैन, डॉ. एलएल पाराशर एवं शोभा वाजपेई, समाजसेवी सुनील बागरे, ओम शुक्ला, राजीव बाहेती एवं सिविल सोसायटी के साथ हरदा के भूतकाल, वर्तमान एवं भविष्य को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही जिले के समग्र विकास के लिए आगे की योजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। डॉ. अम्बर पारे से प्राकृतिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा में आयुर्वेदिक कृषि उत्पादन बढ़ाने एवं उनके उपयोग करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। छात्रों ने शासकीय आदर्श महाविद्यालय के

छात्रों एवं प्राध्यापकों से शिक्षा के विस्तार एवं विकास में आ रही चुनौतियां एवं उनमें सुधार के साथ-साथ कौशल विकास की उपयोगिता के बारे में भी चर्चा की।

हरदा जिले में कृषि एक प्रमुख अजीविका एवं रोजगार का साधन - डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय खंडवा के छात्रों द्वारा रावे के अंतर्गत पिछले चार वर्षों से कृषि विकास में सफलतापूर्वक किसानों से भागीदारी कर तकनीकी हस्तांतरण में सहयोग किया जा रहा है। पानतलाई में प्राकृतिक खाद एवं कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता एवं जैव विविधता को संरक्षित करने की प्रक्रिया का अध्ययन किया गया। यहां 2008 से 2026 तक खेती में आए कृषि तकनीकी हस्तांतरण पर किसानों एवं छात्रों से संवाद किया गया। क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से बनाए जा रहे होम स्टे द्वारा हरदा की सांस्कृतिक धरोहर को समेटते हुए प्राचीन ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं प्राकृतिक, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने मकड़ाई राममंदिर, जंगल भ्रमण, जोगा किला, तेली की सराय, रिद्धेश्वर, सिद्धेश्वर मंदिर, जैन मंदिर, नाभि स्थल, शिव करुणा धाम, चिचोट कुटी आश्रम एवं क्षेत्र की जीवन दायनी मां नर्मदा का भ्रमण कर पर्यटन विकास में रोजगार के अवसरों पर अध्ययन किया। कार्यक्रम प्रभारी उमेश शर्मा द्वारा बताया गया कि छात्रों के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य हरदा के विभिन्न संस्थाओं एवं कृषकों द्वारा जो नवोन्मेषी गतिविधियां सम्मिलित की जा रही हैं उनसे हरदा एवं देश के विकास में सहयोग हो तथा कृषि विकास में हरदा के मॉडल को कैसे विकसित किया जाए।

राष्ट्रव्यापी अभियान...

ग्राहक जब भी बाजार जाएं स्वदेशी सामान ही लाएं

अनोखा तीर, हरदा। नगर में आयोजित स्वदेशी मेला प्रांगण में रविवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत हरदा इकाई द्वारा एक रैली निकाली गई। जिसमें मातृशक्ति भी उपस्थित रही। रैली में सभी अपने हाथों में देश समृद्ध बनाएंगे, स्वदेशी सामान ही घर लाएंगे, इसको ध्येय वाक्य बना कर, ग्राहकों को जागरूक करके सहित अन्य तख्तियां लिए हुए थे। इस मौके पर रैली में ग्राहक पंचायत हरदा इकाई और स्वदेशी जागरण से जौहरी कमल सोनी, अशोक पाराशर, सत्यनारायण दोगने, मदनलाल सोनी, रितेश भावसार, निशांत राजपूत, अरुण सोनी, लक्ष्मीकांत पारे, रविलाल पटेल, डॉ. एलएन पाराशर प्रोफेशर, बनवारी यादव, अरुण मालवीय, ओमप्रकाश जाट, मातृशक्ति योगमाया जी और समस्त स्वदेशी टीम बहन, जयेश सोनी, विदित पगारे, कैलाश सोनी, आकाश लहरी, आशीष गौर, बसंत राजपूत, वीरेंद्र मालवीय, सचिन राजवैध, नीरज राजवैध, जगदीश पाटिल, गोलू तिवारी, राम मिश्रा, राजेश दीक्षित, अशोक गुर्जर, त्रिलोक शर्मा, जयनारायण गौर, गंभीर जाट, पहलाद नागवे, कपिल सोनी, ओम प्रकाश सोनी, सागर उपस्थित रहे।

अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में वक्ताओं ने रखें अपने विचार

- सभी युवाओं ने डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट कार्यालय का भ्रमण कर किया पोधारोपण

अनोखा तीर, हरदा। मेरा युवा भारत, हरदा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विकसित भारत के तहत अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मेरा युवा भारत जिला युवा अधिकारी श्रीमती मोनिका चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रातः काल योग शिक्षक कमल मादुलकर ने सभी युवाओं को योग प्राणायाम करवाया। तत्पश्चात सभी बच्चों को विजिट के लिए डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट कार्यालय हरदा में भ्रमण करवाया गया। इस मौके पर पीसी जे.ल. कोठारी द्वारा आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन कर किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से निपटने या बचाव के गुर सिखाए गए। साथ ही साइबर सेल एसपी ऑफिस हरदा से मनोज दोहरे और लोकेश द्वारा साइबर जागरूकता और साइबर से सम्बंधित जानकारी दी गई। अगले सत्र में हरदा की हार्टफुलनेस संस्थान से डॉ. संजय गुर्जर व डॉ. राजीव पटले ने मेडिटेशन और मन की शांति और दिल को कैसे स्वास्थ्य रखें जैसे महत्वपूर्ण जानकारियां युवाओं के साथ सांझा की। अगले सत्र मे हरदा डिग्री कॉलेज से सत्येंद्र सिंह परिहार के द्वारा क्रिएटिव और इंटरैक्टिव सेशन किया गया। वहीं युवाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व जिला संगठक द्वारा पारंपरिक खेल खिलाए गए। जिसमें कैसे भाई कैसे, कितने भाई कितने, राम- रावण अन्य खेल शामिल रहे।

युवा दिवस पर सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम

अनोखा तीर, हरदा। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी 2026 को जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में संपन्न होगा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। जारी कार्यक्रम अनुसार प्रात: 9 बजे विद्यार्थियों का मैदान में एकत्रीकरण होगा। इसके बाद प्रात: 9.20 बजे अतिथियों व जनप्रतिनिधियों का आगमन, 9.28 बजे मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानन्द जी प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा अतिथियों का स्वागत होगा। प्रात: 9.30 बजे से 10.15 बजे तक आकाशवाणी से सीधा प्रसारण होगा तथा अंत में प्रात: 10.30 बजे आभार एवं समापन होगा। जिला शिक्षा अधिकारी डीएस रघुवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों, विद्यालय प्रमुखों एवं संबंधित अधिकारियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

धान उपार्जन के लिए 13 जनवरी तक किया जा सकेगा स्लॉट बुकिंग

अनोखा तीर, हरदा। खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिले में धान उपार्जन का कार्य 1 से 20 जनवरी 2026 तक किया जाना है। जिला आपूर्ति अधिकारी बासुदेव भदोरिया ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार धान उपार्जन के लिए किसानों द्वारा 13 जनवरी 2026 तक स्लॉट बुकिंग की जा सकेगी। उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे 13 जनवरी से पूर्व स्लॉट बुकिंग कर फसल विक्रय करें।

सोमवार को दो शिफ्टों में बिजली गुल

अनोखा तीर, हरदा। जिले में सोमवार, 12 जनवरी को विद्युत संधारण कार्य के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत वितरण कंपनी ने 33 केवी और 11 केवी फीडरों पर आवश्यक रखरखाव के लिए दो शिफ्टों में शटडाउन की योजना बनाई है। इसके चलते कुछ इलाकों में 4 घंटे और कुछ क्षेत्रों में 9 घंटे तक बिजली बंद रहेगी। विद्युत कंपनी के जेई राकेश सिलोरे ने बताया कि हरदा संभाग के अंतर्गत 33 केवी और 11 केवी लाइनों पर अति आवश्यक संधारण कार्य किया जाना है। इसी कारण यह नियोजित शटडाउन निर्धारित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 33 केवी टेमलाबाड़ी फीडरों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इन क्षेत्रों में कुल 4 घंटे की कटौती की जाएगी। वहीं, 11 केवी के छह से अधिक फीडरों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इन क्षेत्रों में लगातार 9 घंटे का शटडाउन रहेगा।

मदिरा के अवैध विक्रय व संग्रहण के खिलाफ 9 प्रकरण दर्ज

अनोखा तीर, हरदा। आबकारी विभाग द्वारा शनिवार को मदिरा के अवैध विक्रय, परिवहन व संग्रहण के विरुद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने ने बताया कि इस दौरान आबकारी विभाग के दल ने बिच्छापुर, बघवाड़, वार्ड क्रं 1 टिमरनी, टेमागांव व पीलियाखाल में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 18 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब, 31 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब एवं 480 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया गया। जिसमें आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए। जप्त मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 53 हजार 925 रुपए है।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

सारंगपुर में कृषि वर्ष 2026 का शुभारंभ

कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने कृषक रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

-हर गांव तक पहुंचेगी आधुनिक कृषि तकनीक, किसानों को मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभ

अनोखा तीर, सारंगपुर।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में रविवारा को सारंगपुर में किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों एवं केंद्र व राज्य सरकार की शासकीय योजनाओं की जानकारी सीधे खेत तक पहुंचाने के उद्देश्य से कृषक रथ अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने कृषक रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह अभियान किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती करने के लिए प्रेरित करने तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

किसानों को मिलेगा वैज्ञानिक और व्यवहारिक मार्गदर्शन- मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि कृषक रथ के माध्यम से

किसानों को वैज्ञानिक खेती, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरकों का संतुलित उपयोग, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधीकरण, पराली प्रबंधन तथा उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक उपायों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही किसानों को ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण की प्रक्रिया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कृषि हितैषी योजनाओं से भी अवगत कराया जाएगा, जिससे उन्हें योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ मिल सके।

हर पंचायत तक पहुंचेगा कृषक रथ- कृषक रथ जिले के प्रत्येक विकासखंड की सभी ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेगा और जायद, खरीफ एवं रबी फसलों की बुवाई से पूर्व किसानों को आवश्यक, उपयोगी एवं व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इससे किसानों को समय रहते सही जानकारी मिल सकेगी और खेती की लागत घटाकर उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

कृषि को आधुनिक व समृद्ध बनाने की दिशा में मजबूत कदम- कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने, खेती को वैज्ञानिक आधार देने और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने में सहायक सिद्ध होगी। यह अभियान न केवल किसानों को सशक्त बनाएगा, बल्कि क्षेत्र की कृषि को आधुनिक और समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, आम नागरिक एवं बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे।

समृद्ध किसान - सशक्त कृषि - विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह अभियान एक प्रभावी और दूरगामी कदम माना जा रहा है।

संपादकीय

भारत-अमरीका व्यापार समझौते में विलंब क्यों ?

व्यापार नीति नहीं, बल्कि सुरक्षा पर निर्भरता, वाशिंगटन की अन्य देशों के साथ इतनी तेजी से व्यवहार करने की वजह है और यही कारण है कि भारत अपनी स्थिति पर अड़ा हुआ है। भारत ने अभी तक अमरीका (यू.एस.) के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता क्यों नहीं किया, जबकि दोनों देशों ने अन्य सांझेदारों के साथ तेजी से समझौते किए हैं? पिछले 4 वर्षों में ही भारत ने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ब्लॉक, यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आई.पी.ई.एफ.) के सदस्यों के साथ व्यापार समझौते संपन्न किए हैं, जिसमें अमरीका भी शामिल है। पिछले 6 महीनों में वाशिंगटन ने जापान, यूरोपीय संघ (ई.यू.), ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम और मलेशिया के साथ त्वरित व्यापार समझौते किए हैं। तो फिर भारत-अमरीका समझौते में इतना समय क्यों लग रहा है?

इसके दो मुख्य कारण हैं- पहला, अमरीका के साथ तेजी से व्यापार समझौते करने वाले अधिकांश देश अपनी सुरक्षा के लिए वाशिंगटन पर काफी हद तक निर्भर हैं। जबकि भारत के साथ ऐसा नहीं है। दूसरा, अमरीका-भारत व्यापार वार्त्ता व्यापार से कहीं आगे बढ़कर वाशिंगटन के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक और नीतिगत क्षेत्रों तक फैली हुई है। ये दो कारक बातचीत को जटिल बनाते हैं और यही कारण है कि समझौता होने में उम्मीद से अधिक समय लग रहा है। उदाहरण के लिए, जापान और दक्षिण कोरिया अमरीका के औपचारिक संधि सहयोगी हैं और बड़ी संख्या में अमरीकी सैनिकों की मेजबानी करते हैं, विशेष

रूप से उत्तर कोरिया और चीन से उत्पन्न खतरों को देखते हुए। यूरोप में भी यही पैटर्न देखने को मिलता है। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के माध्यम से ब्रिटेन अमरीका के सबसे करीबी रणनीतिक सांझेदारों में से एक बना हुआ है। ऐसे मामलों में, व्यापार वार्ताएं रणनीतिक गठबंधन से प्रभावित होने के कारण, अमरीकी मांगों के प्रति प्रतिरोध सीमित रहता है।

दक्षिणपूर्व एशिया में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। पारस्परिक रक्षा संधि से बंधे फिलीपींस ने हाल के वर्षों में अमरीकी सैन्य पहुंच का विस्तार किया है। संधि के तहत सहयोगी देश थाईलैंड भी अमरीकी सुरक्षा ढांचे में गहराई से जुड़ा हुआ है। इन देशों के लिए व्यापार समझौते सुरक्षा निर्भरता पर आधारित एक व्यापक भू-राजनीतिक सौदे का हिस्सा हैं। भारत की स्थिति अलग है। यह अपनी सुरक्षा के लिए अमरीका पर निर्भर नहीं है और सैन्य दबाव के माध्यम से इस पर दबाव नहीं डाला जा सकता। यह रणनीतिक स्वायत्तता व्यापार वार्त्ताओं के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल देती है। अमरीका-भारत व्यापार समझौते के लिए फरवरी 2025 में बातचीत शुरू हुई थी लेकिन वाशिंगटन भारत पर दबाव डाल रहा है कि वह विनियमन और प्रौद्योगिकी से लेकर ऊर्जा और भू-राजनीति तक के क्षेत्रों में अमरीकी हितों के अनुरूप प्रमुख घरेलू नीतियों को फिर से आकार दे। अमरीका चाहता है कि भारत अमरीकी तेल और रक्षा उपकरण अधिक खरीदे, डाटा और डिजिटल नियमों में ढील दे और ब्रिक्स सांझेदारों, विशेष रूप से रूस और चीन से दूरी बनाए रखे।

इस बीच, भारत ने पहले ही महत्वपूर्ण रियायतें दी हैं। पिछले एक वर्ष में, अमरीका से इसके तेल आयात में लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसने अपने परमाणु दायित्व ढांचे के कुछ पहलुओं को समायोजित किया है और स्टारलिंक को परिचालन शुरू करने की अनुमति दी है, हालांकि यह चिंता बनी हुई है कि अप्रतिबंधित उपग्रह पहुंच संवेदनशील क्षेत्रों में संप्रभु नियंत्रण को कमजोर कर सकती है। भारत ने डिजिटल लेन-देन कर भी हटा दिया है। फिर भी, वाशिंगटन डेयरी उत्पादों और मक्का और सोयाबीन सहित अनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के लिए अप्रतिबंधित पहुंच पर जोर दे रहा है, जो पर्यावरण, राजनीतिक और सामाजिक चिंताओं के कारण भारत में एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। हालांकि दोनों पक्ष चुप हैं और कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, ऐसा प्रतीत होता है कि वार्ताकार समझौते की सीमा तक पहुंच चुके हैं और अब यह समझौता राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसले का इंतजार कर रहा है। देरी का उद्देश्य भारत से और अधिक रियायतें हासिल करना हो सकता है। हालांकि, भारत को रूसी कच्चे तेल पर स्पष्ट निर्णय लेना होगा। भारतीय रिफाइनरियों ने खरीद कम करने का इरादा जताया है लेकिन रूसी तेल का प्रवाह जारी है, जो नवम्बर में भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग 35 प्रतिशत यानी 72 मिलियन टन था।

ममता बनर्जी ने जो कुछ किया वह शोभनीय नहीं है

पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के कोलकाता स्थित दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के बाद जो हुआ, उसे सीधे-सीधे अशोभनीय कहा जाना चाहिए. इस कंसल्टेंसी फर्म के संचालक प्रतीक जैन हैं और यह फर्म चुनावी रणनीति बनाने व तैयारियों में राजनीतिक पार्टियों की मदद करती है. पहले इस कंसल्टेंसी फर्म में प्रशांत किशोर भी थे लेकिन अब वे राजनीति में हैं तो इस फर्म की जिम्मेदारी प्रतीक जैन, ऋषि राज सिंह और विनेश चंदेल देख रहे हैं. प्रतीक जैन के दफ्तर पर जैसे ही प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापेमारी शुरू की, तत्काल यह जानकारी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तक पहुंची.

आनन-फानन में वे छापेमारी वाली जगह पर पहुंचीं और आरोप है कि उन्होंने जब्त फाइलें प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के हाथों से छीन लीं और अपनी कार में रखवा कर रवाना हो गईं. खासतौर पर हरे रंग की एक फाइल की खूब चर्चा हो रही है कि आखिर उसमें ऐसा क्या है कि उसे छीनने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा. इसका जवाब फिलहाल नहीं मिला है लेकिन संदेह तो खड़ा होता ही है कि किसी मुख्यमंत्री को ऐसी हरकत क्यों करनी पड़ी? क्या इस तरह केंद्रीय अधिकारियों से फाइल छीनना उनका कद छोटा नहीं करता? ममता को खुद इसके बारे में सोचना चाहिए. ममता एक राज्य की मुख्यमंत्री हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वे अपने व्यवहार में शालीनता बरतेंगी. यह सबको मालूम है कि आई-पैक तृणमूल कांग्रेस की आंख, कान, नाक है लेकिन इसका यह अर्थ तो कतई नहीं हो सकता कि उस पर यदि कानूनी एजेंसियां छापा मारती हैं तो मुख्यमंत्री स्वयं मैदान में कूद जाएं. प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ वे उच्च न्यायालय जा सकती थीं, सर्वोच्च न्यायालय जा सकती थीं लेकिन उन्होंने फाइल छीनने का विकल्प चुना जो सरासर गलत है. प्रवर्तन निदेशालय पर केंद्र के इशारों पर काम करने का आरोप लगाना उनका अधिकार है लेकिन जो कुछ भी हरकत उन्होंने की है, वह न उनका अधिकार है और न ही उन्हें यह शोभा देता है. उन्हें समझना चाहिए कि राजनीतिक जंग की जो लड़ाई उन्होंने वामपंथी दलों के खिलाफ शुरू की थी, उस लड़ाई के तेवर उस वक्त की जरूरत रही होगी लेकिन अब वे सत्ता में हैं, सड़क पर नहीं हैं. दुर्भाग्य से वे सारा राजनीतिक व्यवहार सड़क पर करने का उतावलापन दिखाती हैं. यह स्थिति ठीक नहीं है. वे संघर्षशील हैं, जनता के बीच उनकी पकड़ है. वे अच्छी नेतृत्वकर्ता हैं लेकिन लोकतांत्रिक मंच को शालीनता प्रदान करने में भी उन्हें सार्थक भूमिका निभानी चाहिए.

भारत को अब जल स्वराज की जरूरत...

स्वच्छ जल मनुष्य का मौलिक अधिकार है. हालांकि, नए साल के शुरुआत में ही लोगों को इस मामले में निराशा देखने को मिला. हमने देश के तीन जगहों पर देखा कि, कैसे दूषित पानी की वजह से हाहाकार मच गया और लोगों की जान चली गई. वैसे इन घटनाओं को रोका जा सकता था. हमने देखा कि, नया साल 2026 आते ही देश के इंदौर, गुजरात और बेंगलुरु से दूषित जल के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. पहली घटना इंदौरी की, जहां खराब पानी की वजह से 10 लोगों की जान चली गई. वहीं, हजारों लोग अभी भी इससे प्रभावित हैं. दूसरी रिपोर्ट गुजरात की राजधानी गांधीनगर शहर से आई, जहां पानी पीने के बाद 100 से ज्यादा लोग टाइफाइड से पीड़ित बताए गए. वहीं, तीसरी रिपोर्ट बेंगलुरु से आई, जहां के लोगों ने पानी से सीवेज जैसी बदबू आने की बात कही है. मध्य प्रदेश से दूषित जल संबंधी खबर ने लोगों को चौका दिया है. वह इसलिए भी, क्योंकि इंदौर भारत का सबसे साफ शहर की दौड़ में सबसे

इंद्र शेखर सिंह

बेंगलुरु भी एक जरूरी शहरी केंद्र है जो ग्रीन मैनेजमेंट और सफाई के लिए जाना जाता है. वहीं, गांधीनगर प्रधानमंत्री की अपनी राज्य की राजधानी है. बेगुनाह भारतीयों की जान जाना और उनकी तकलीफ बहुत दुख की बात है. यह अच्छा है कि मुआवजे का ऐलान किया गया, लेकिन सिर्फ पैसा ही इंसाफ का पैमाना नहीं हो सकता है. हमें राजनीतिक कीचड़ उछालने से दूर रहना होगा.

हमें इस पानी की कमी को अपने अलग-अलग राष्ट्रीय सरकारी जल कार्यक्रम के लिए एक लिटमस टेस्ट की तरह इस्तेमाल करना होगा. हमें यह भी पक्का करना होगा कि गंदे पानी की वजह से और लोगों की और जानें न जाएं. हमें इंदौर समेत कई जगहों में दूषित जल से हुई लोगों की मौतों की बारीकी से जांच शुरू करनी चाहिए और देखना चाहिए कि क्या हमारे जल प्रबंधन में कोई पैटर्न या गड़बड़ी इन तीनों घटनाओं को जोड़ती है. जल जीवन मिशन पर एक बड़ा सवाल खड़ा होगा, जिसने देश के लोगों को पाइप से साफ पानी की सप्लाई का भरोसा दिलाया है. मौजूदा बजट में इस कार्यक्रम के लिए 67,000 करोड़ रुपये दिए गए थे.

दूषित पानी संबंधी लापरवाही की वजह का पता लगाना होगा. जिम्मेदार अफ़सरों और टेक्नीशियन की पहचान करके उन्हें सजा दी जानी चाहिए. लेकिन हमें सिर्फ बदला लेने पर ही नहीं रुकना चाहिए. इन तीन घटनाओं ने हमारे शहरी पानी सप्लाई सिस्टम में एक बड़ी कमी को सामने ला दिया है. ऐसे में हमें सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि गर्मियां आने वाली हैं, जहां पानी की मांग बहुत ज्यादा होगी और पानी की उपलब्धता कम होगी.

अब सरकार को इस आने वाले पानी के संकट का कुछ अंदाजा हो गया है, इसलिए पिछले साल उसने स्कीम के जरिए सरकारी काम को अलग-अलग जिलों में पानी को फिर से सही करने और बचाने की तरफ मोड़ने को कहा. कुछ जिलों में, पानी के कामों के लिए 60 फीसदी तक फंड दिए गए हैं.

कुछ साल पहले, नीति आयोग ने भी कहा था कि लगभग 2030 तक, हमारी लगभग आधी आबादी को पीने का साफ पानी नहीं मिलेगा. प्रदूषण, गंदगी और

बदलता मौसम भी हमारे पानी को कम करने में एक खतरनाक भूमिका निभा रहे हैं. 2025-26 की सर्दियों में, मानसून के महीनों में भारी बारिश के बावजूद, हिमालयी इलाके में कम बर्फबारी हो रही है. हिमाचल और उत्तराखंड के कई हिस्से अभी भी पहाड़ों पर बर्फ देखने के लिए तरस रहे हैं. इस बीच, पानी का बहुत ज्यादा प्रदूषण, नदियों में गैर-कानूनी माइनिंग और अतिक्रमण हमारे भूजल (सरफेस वॉटर) को खत्म कर रहे हैं. सूखे एग्रो-क्लाइमेट वाले इलाकों में इंडस्ट्रियल खेती और धान, गन्ना वगैरह पर सरकारी सब्सिडी से ग्राउंडवॉटर बहुत ज्यादा कम हो रहा है.

कुल मिलाकर देखा जाए तो सबसे पहले, हम अपने पानी का गलत इस्तेमाल करते हैं. दूसरा, हम अपने पानी को बहुत ज्यादा गंदा करते हैं, उसमें क्लाइमेट चेंज जोड़ते हैं. ऐसे में हमारे पानी का भंडार तेजी से घट रहा है. इसके साथ ही हर साल लोगों, खेती और इंडस्ट्री की तरफ से पानी की बहुत ज्यादा मांग भी बढ़ रही है.

घरों में पाइप जोड़ना, या नदियों को जोड़ना, पानी की सप्लाई पक्का करने के शॉर्ट-टर्म उपाय माने जा सकते हैं. लेकिन इससे साफ पानी की गारंटी नहीं मिलती. हाल की घटनाओं ने यह साफ दिखाया है. हमारे सरकारी पानी के पाइपों से जहर भी बह सकता है. इसलिए एक नए नजरिए की जरूरत है.

पहिया फिर से बनाने की कोशिश करने के बजाय, हमें पानी के मामले में भी ग्राम स्वराज के गांधीवादी कॉन्सेप्ट को अपनाने के लिए काम करना चाहिए. भारत में पानी के प्रबंधन के लिए अभी एक बड़े बदलाव की जरूरत है. केंद्रीकरण या निजीकरण (सेंट्रलाइजेशन या प्राइवेटाइजेशन) के बजाय, भारत को अपने पानी के मैनेजमेंट को फिर से तय करने और आज की टेक्नोलॉजी की मदद से पानी के मैनेजमेंट का एक कम्युनिटी-ड्रिवन डीसेंट्रलाइज्ड सिस्टम चुनने की जरूरत है. यही एकमात्र तरीका है जिससे हम पानी का स्वराज अपने हाथों में ला सकते हैं और यह पक्का कर सकते हैं कि साफ पानी समुदाय के लिए प्राथमिकता हो.

गांव के स्तर पर, हर गांव या ब्लॉक को लोकल पानी की जगहों को बनाए रखने या बारिश के पानी की एक तय मात्रा को जमा करने के लिए अलग-अलग सरकारी प्रोग्राम के तहत रीजनल टारगेट और फाइनेंस दिए जाने चाहिए. अगर हो सके, तो कई गांवों में पानी के रिजर्वॉयर का एक नेटवर्क हो सकता है जो बारिश की आखिरी बूंद को भी जमा करके रख सके.

इस तरीके से, ग्राउंडवाटर को कम समय में रिचार्ज किया जा सकता है. यह तरीका बहुत सस्ता भी है, क्योंकि ज्यादातर स्ट्रक्चर मिट्टी या मोर्टार-बेस्ड होंगे. इसका मकसद पानी बचाने के पुराने तरीकों को फिर से शुरू करना और पानी को धरती के अंदर रिसने देना है, साथ ही पानी के जमीन के नीचे हाइड्रोलॉजिकल मूवमेंट को भी एक्टिवेट करना है.

जिला स्तर पर, यह नेटवर्क अलग-अलग ब्लॉक और शहरी सेंटर को जोड़ सकता है, जिससे यह पक्का हो सके कि जमीन के ऊपर और नीचे पानी ज्यादा उपलब्ध हो. अगर हर जिले में एक डीसेंट्रलाइज्ड कम्युनिटी-लेड वॉटर रिजुविनेशन प्लान एक्टिवेट किया जाए, तो शहरी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है.

पानी को नया बनाने की कोशिशों के साथ-साथ, हर ब्लॉक या कम्युनिटी को पानी की क्वालिटी पर भी ध्यान देना चाहिए. ब्लॉक लेवल पर, गांव के प्रतिनिधि को पानी की गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार होना चाहिए और पानी से जुड़ी किसी भी परेशानी के बारे में लोगों को अलर्ट करने के लिए एक मोबाइल फोन-बेस्ड अलर्ट सिस्टम लगाया जाना चाहिए.

विस्तारवाद और दक्षिण पूर्वी तथा मध्य एशिया में भारत की भूमिका

अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े देश जैसे कि अमरीका का वेनेजुएला पर कब्जा। छोटे देश, जो शक्तिशाली नहीं लेकिन अपनी प्राकृतिक संपदा, जैसे तेल और खनिज भंडार के कारण बड़े देशों को उन पर अधिकार करने की दावत देते रहते हैं, वे या तो स्वयं समर्पण कर देते हैं या फिर थोड़े-बहुत विरोध के बाद बड़े देश का आधिपत्य स्वीकार कर लेते हैं। अन्य उदाहरणों में रूस की यूक्रेन, चीन का ताइवान जैसे पड़ोसियों को हड़पने की कोशिश। इन बड़े देशों का एक ही लक्ष्य होता है कि छोटे देशों की आजादी, संसाधन और उनकी पहचान को मिटाकर अपना सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करना।

पूरन चंद सरीन

बड़े देश अपने से छोटे लेकिन प्राकृतिक संपदा से युक्त देशों पर हमेशा से कब्जा करते रहे हैं, ठीक वैसे ही, जैसे जंगल में बड़े और शक्तिशाली जानवर कमजोर लेकिन पौष्टिक खुराक होने के कारण छोटे जानवरों को अपना भोजन बनाते हैं। जहां एक ओर भारत किसी अन्य देश पर आर्थिक या सैन्य हमला कर उसे अपने अधीन करने का विरोधी रहा है, दूसरी ओर अपने देश के नागरिक नगरों, महानगरों, कस्बों और यहां तक कि देहाती क्षेत्रों में जब भी मौका मिले, किसी जमीन पर कब्जा करने की सोच रखते हैं, विशेषरूप से जो सरकारी है। यह परंपरा स्वतंत्र होने और इतने वर्ष बाद भी देश के सभी प्रदेशों में अतिक्रमण के नाम से जानी जाती है। हाल ही का उदाहरण है। दिल्ली के तुर्कमान गेट पर गैर कानूनी तरीके से कब्जाई सरकारी भूमि पर बनी इमारतों को हटाने के लिए कार्रवाई हुई तो स्थानीय लोगों ने अपने राजनीतिक आकाओं के उकसाने पर पत्थरबाजी कर न केवल बाधा डाली, बल्कि बड़े-बड़े वकील सुप्रीम कोर्ट तक में इसके खिलाफ याचिका दायर करने की मंशा जाहिर करने लगे। गौर करने की बात है कि यह अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुआ। इन सब अवैध बिल्डिंगों को बनने में समय लगा होगा, परंतु क्योंकि यह सब बहुत सुनियोजित सांठ-गांठ के साथ हुआ, इसलिए पुलिस और प्रशासन इस दौरान आंख मूंद कर बैठे रहे। जब कुछ लोगों ने भरपूर धन दौलत या काली कमाई जमा कर ली और इन जगहों पर लोगों का चलना-फिरना और रहना मुश्किल होने लगा तो तुरंत कार्रवाई कर बुलडोजर चल गए। अब जो हंगामे के हालात बने, वे एक बड़े पैमाने पर दंगे

भड़कने की तैयारी में बदलने लगे। यही प्रक्रिया कमोबेश हर जगह दोहराई जाती है। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े देश जैसे कि अमरीका का वेनेजुएला पर कब्जा। छोटे देश, जो शक्तिशाली नहीं लेकिन अपनी प्राकृतिक संपदा, जैसे तेल और खनिज भंडार के कारण बड़े देशों को उन पर अधिकार करने की दावत देते रहते हैं, वे या तो स्वयं समर्पण कर देते हैं या फिर थोड़े-बहुत विरोध के बाद बड़े देश का आधिपत्य स्वीकार कर लेते हैं। अन्य उदाहरणों में रूस की यूक्रेन, चीन का ताइवान जैसे पड़ोसियों को हड़पने की कोशिश। इन बड़े देशों का एक ही लक्ष्य होता है कि छोटे देशों की आजादी, संसाधन और उनकी पहचान को मिटाकर अपना सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करना। देश में आंतरिक तनाव, गृह युद्ध जैसे हालात और अव्यवस्था होते हुए भी भारत सरकार इन पर काबू करने और इनके बेलगाम होने पर रोक लगाने में सफल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत इन सभी बड़े और आर्थिक तथा सैन्य दृष्टि से संपन्न देशों के प्रति अनोखी उदारता दिखाता रहा है। अपनी जीती हुई जमीन लौटाने के लिए प्रसिद्ध है, बंजर कह कर हजारों किलोमीटर भूमि चीन को दे देता है, अपने सैनिकों का बलिदान देकर स्वतंत्र बंगलादेश बनवा देता है। इसी तरह बहुत से ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें भारत ने खोया तो बहुत लेकिन पाया कुछ नहीं। यह एक तरह से इतिहास में कुछ लोगों का विश्व में महान कहलाने का प्रयास है, इसके अलावा कुछ नहीं। जरा सोचिए, अपने देश के टुकड़े करने की सहमति और कश्मीर में उपद्रवियों के आगे समर्पण और देश की बर्बादी का ऐलान करने वालों को बचाने की मुहिम क्या दर्शाती है? देश में लाखों हैक्टेयर भूमि का अतिक्रमण होते देखना तो एक मामूली बात है। रेलवे और सार्वजनिक भूमि पर बड़ी संख्या में स्लम बस्तियों और झुग्गी-झोंपडियों का होना तथा उन्हें बनाए रखने में अपनी विजय समझना भारत में ही संभव है। सड़क और फुटपाथ पर कब्जा कोई अनहोनी नहीं, वहां परिवार सहित बसना वोटर की पहचान बन जाए, यह हमारे यहां तारीफ की बात है। इसके बाद रिहैब्लिटेशन और रिसैटलमैंट के नाम पर हजारों की संख्या में कालोनियां बन जाती हैं। 'बुलडोजर जस्टिस' शब्द पर विवाद हो सकता है लेकिन इसके बिना कोई अन्य विकल्प नहीं है जो इस समस्या का समाधान कर सके। अनेक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, बहुत वर्षों बाद राजनीतिक स्थिरता के बल पर भारत जिस प्रकार आर्थिक संपन्नता, औद्योगिक विकास और टैक्नोलॉजी के इस्तेमाल के साथ सतत विकास की नीति पर पिछले एक दशक से चल रहा है, संभावना है कि जो देश हमारी सीमाओं से जुड़े हैं, उनमें चीन के अतिरिक्त, सभी देश आने वाले दशक में भारत के साथ आते जाएंगे। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर कठिनाई हो सकती है लेकिन व्यावहारिक रूप से नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार तथा आसपास के छोटे देश और यहां तक कि पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान और ईरान तक भारत को केंद्रीय शक्ति के रूप में स्वीकार कर एक वैश्विक महासंघ बनने की भविष्यवाणी सत्य कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि क्योंकि सार्क की भूमिका लगभग समाप्त हो चुकी है, पाकिस्तान अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, बंगलादेश आंतरिक संघर्ष से जूझ रहा है तो ये देश भारत के साथ शत्रुता का भाव रखते हुए भी हमसे सहयोग करने के लिए विवश होंगे। इसका प्रबल कारण है। अमरीका का भारत और उसके जैसे देशों के प्रति विरोधी रुख अपनाना, उसकी बात न मानने पर सैंक्शन और ऊंचा टैरिफ लगाना ताकि उनकी अर्थव्यवस्था चौपट हो जाए। रूस के साथ डिप्लोमैटिक संबंधों और व्यापारिक हितों में टकराव पैदा हो, जिसका लाभ अमरीका को मिल सके। इस स्थिति में एकमात्र विकल्प है कि भारत का नेतृत्व दक्षिण, पूर्वी और पश्चिमी एशिया के देश स्वीकार करें, ताकि एक सामूहिक ताकत के रूप में सामने आकर, सभी सनकी देशों की चुनौतियों का सामना किया जा सके। यह संभव है क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है।

सार-समाचार

हिंदुस्तान की पहचान हिंदी बनी रहेः चौरे

अनोखा तीर, खंडवा। अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश लेखक संघ जिला इकाई खंडवा द्वारा गोष्ठी का आयोजन नीलम बजाज के निवास पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीशचंद्र चौरे ने की, जबकि मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार उपाध्याय

और विशिष्ट अतिथि गांधी प्रसाद गढ़ले रहे। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि गोष्ठी में सिंधी समाज के नव निर्वाचित अध्यक्ष मीठाराम पिंजवानी भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत शाल, श्रीफल और पुष्पमालाओं से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद नीलम बजाज ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गोष्ठी में वक्ताओं ने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में अधिकाधिक प्रयोग में लाने पर जोर दिया। काव्य गोष्ठी के दौरान सुनील चौरे उपमन्यु ने कहा कि हिंदी भारतीय संस्कृति की संवाहक है और हिंदुस्तान में हिंदी का प्रचलन पूरी मजबूती के साथ बना रहना चाहिए। कार्यक्रम में मंगलाचौरे, देवेंद्र जैन, सुरेंद्र गीते, तारकेश्वर चौरे, गौरव गावशिन्दे, कविता विश्वकर्मा, अनुराधा सांडले, ओम चौरे, नानक बजाज, राजमाला आर्य, जयश्री तिवारी, महेश मूलचंदानी, वर्षा उपाध्याय सहित अन्य साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र जैन और मंगलाचौरे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सचिव देवेंद्र जैन ने किया।

प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी आज खंडवा आएंगे

अनोखा तीर, खंडवा। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी आज 12 जनवरी को खंडवा आएंगे तथा एसएन कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर सर्किट हाउस में अधिकारियों से तथा जिला भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे।

युवा दिवस आज, शिक्षण संस्थाओं में होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार

अनोखा तीर, भैरुंदा। स्वामी विवेकानंद की जयंती आज पूरे नगर और क्षेत्र में युवा दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर राज्य शासन के निर्देशानुसार नगर की समस्त शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाएगा। आयोजन के दौरान स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रेरणादायी जीवन और विचारों को याद किया जाएगा। सुबह निर्धारित समय पर छात्र-छात्राएं और शिक्षक सामूहिक रूप से योग की विभिन्न मुद्राओं और सूर्य नमस्कार का अभ्यास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री का प्रदेश के युवाओं के नाम संदेश और आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित होने वाले निर्देशों का पालन किया जाएगा। सूर्य नमस्कार के पश्चात विद्यार्थियों को प्राणायाम और ध्यान के महत्व के बारे में बताया जाएगा। भैरुंदा नगर के सांदीपनी विद्यालय, बालक एवं कन्या विद्यालयों सहित सभी निजी स्कूलों में इस आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खेल शिक्षकों और योग प्रशिक्षकों की देखरेख में छात्र इस अभ्यास में सम्मिलित होंगे।

5 आयुष्मान आरोग्यम मंदिर को स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार से मिला गुणवत्ता प्रमाणपत्र

अनोखा तीर, खंडवा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली की टीम ने दिसंबर माह में खंडवा व छैगांवमाखन विकासखण्ड के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों मे स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन किया था। जिसके परिणामस्वरुप आयुष्मान आरोग्यम

मंदिर चमाटी को 87.94 प्रतिशत, रामपुरा को 87.94 प्रतिशत, धरमपूरी को 86.51 प्रतिशत, अजन्टी को 85.97 प्रतिशत, बेड़ियाव को 814.82 प्रतिशत अंक से गुणवत्ता के आधार पर क्वालिफाइड किया गया है। इस उपलब्धि पर डॉ. जुगतावत ने सीबीएमओ डॉ.एनके सेठिया, डॉ. योगेश सोनी, सीएचओ, एएनएम, और आशा कार्यकर्ताओ को शुभकामनाएं देकर इसी तरह आगे भी कार्य करने के लिए प्रेरित किया है।

शासन के आदेश हवा में, शिवहरे ने बंद खदान में चला दी मशीनें

● अवैध उत्खनन कर लाखों की मुरम लूटी ● बिना अनुमति, बिना रॉयल्टी-सरकारी खनिज की खुली डकैती

अनोखा तीर, खरगोन। जिले के कसरावद ब्लॉक के ग्राम बीठेर में रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कंपनी को सड़क बनाने के लिए वर्ष 2018 में आवंटित की गई थी जिसकी अवधि 2021 में समाप्त हो चुकी थी। शिवहरे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने शासन द्वारा बंद घोषित खदान को अवैध कमाई का अड्डा बना दिया गया। नियमों, कानून और आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए शिवहरे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा अवैध उत्खनन किया गया है, जिसमें लाखों रुपए की मुरम खुलेआम निकाल ली गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा खेल पटवारी और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की नाक के नीचे चलता रहा। जिस खदान में

खनन पर स्पष्ट प्रतिबंध है, वहां भारी जेसीबी, पोकलेन और डंपर दिन-रात चलते रहे। न कोई वैध अनुमति, न रॉयल्टी, न पर्यावरणीय स्वीकृति फिर भी उत्खनन बेरोकटोक चलता रहा। यह साफ संकेत है कि यह केवल अवैध खनन नहीं, बल्कि सुनियोजित खनिज लूट है।

पटवारी की चुप्पी ने खोले कई राज

भूमि की स्थिति, खसरा, सीमांकन और सरकारी बंदिशों की जानकारी रखने वाला पटवारी यदि अनजान बने, तो यह महज लापरवाही नहीं कही जा सकती। सवाल यह है कि क्या पटवारी को खदान के बंद होने की जानकारी नहीं थी? या फिर सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंद ली गईं? इस चुप्पी ने पटवारी की भूमिका को सीधे संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है।

पटवारी से लेकर एसडीओ तक-पूरा तंत्र खामोश

भूमि का खसरा, सीमांकन और स्थिति जानने वाला पटवारी, निगरानी करने वाला तहसीलदार, और नियंत्रण रखने वाला (राजस्व)-तीनों स्तरों पर एक जैसी चुप्पी इस बात का संकेत है कि मामला केवल कंपनी तक सीमित नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की सामूहिक विफलता है। अवैध उत्खनन से ग्राम बीठेर की सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, खेतों पर धूल जम गई है और ग्रामीणों

● राजस्व की चुप्पी ने खोली मिलीभगत की पोल

को प्रदूषण व दुर्घटनाओं का खतरा झेलना पड़ रहा है। दूसरी ओर कंपनी सरकारी खनिज को निजी संपत्ति समझकर लूटती रही। कानून कागजों में, जमीन पर माफिया मध्यप्रदेश खनिज अधिनियम के अनुसार बंद खदान से उत्खनन गंभीर अपराध है, जिसमें भारी जुर्माना, मशीनों की जब्ती रॉयल्टी वसूली, और आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का प्रावधान है लेकिन बीठेर में कानून केवल फाइलों तक सीमित नजर आ रहा है।

खुदाई की भेंट चढ़ती नई सड़कें

सीवरेज प्रोजेक्टः विकास के नाम पर 8 साल बाद भी अधूरा काम

अनोखा तीर, भैरुंदा।

नगर के विकास और स्वच्छता के लिए शुरू की गई करोड़ों की मल-जल (सीवरेज) योजना शहर केलिए नासूर बन चुकी है। 39.1 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार और लापरवाही का ऐसा खेल चल रहा है कि शहर वासी अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अमृत योजना के तहत करोड़ों खर्च कर बनाई गई नई सड़कें अब सीवरेज कंपनी की खुदाई के कारण नेस्तोनाबूद हो रही हैं और नगर परिषद इस बर्बादी पर मूकदर्शक बनी हुई है। सीवरेज का काम कर रही कंपनी की मनमानी इस हद तक बड़ गई है कि पाइपलाइन को व्यवस्थित बिछाने के बजाय नगर की नालियों के अंदर ही डाल दिया गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नालियों में पाइप होने से भविष्य में जल निकासी पूरी तरह बाधित हो जाएगी और सफाई कर्मचारी भी सफाई नहीं कर पाएंगे। हाल ही में शास्त्री कॉलोनी के घरों में घुसा गंदा पानी इस तकनीकी लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। हाउस कनेक्शन में भी सबसे घटिया स्तर की निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इसका आरोप शहरवासियों के द्वारा लगाया गया है। जिससे प्रोजेक्ट की गुणवत्ता पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। गौरतलब है कि तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने

सितंबर 2018 में विश्व बैंक की सहायता से बन रही करोड़ो रुपए की मल-जल (सीवरेज) योजना का ई-शिलान्यास सागर से किया था। योजना की कुल लागत 39.1 करोड़ रुपए हैं। जिसमें 33.6 करोड़ रु. और 10 वर्ष के संचालन व संधारण की लागत 5.95 करोड़ हैं। इस कार्य का ठेकेदार द्वारा 10 वर्ष तक संचालन व संधारण किया जाना है। योजना के तहत 4.2 एमएलडी का एक ट्रीटमेंट प्लांट, 42.33 किमी की पाइपलाइन बिछाना था। इसमें 1036 मेन होल, 232 मेन होल (2 मीटर गहराई वाले), और 993 मेन चेंबर (1.5 मीटर गहराई वाले बनाए जाना हैं। इतना ही नहीं क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पौधारोपण कर उनके पेड़ बनने तक पोषण करने की जिम्मेदारी भी ठेकेदार की थी। इस योजना को वर्ष 2049 तक अनुमानित जनसंख्या 44232 के आधार पर प्रस्तावित किया गया था। लेकिन आठ वर्षों बाद भी काम पूरा न होने और अब गुणवत्ता में हो रही अनदेखी से इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की सफलता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मौत को दावत देते खुले चेंबर, 18 महीने का काम 8 साल में भी अधूरा

सितंबर 2018 में तात्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा ई-शिलान्यास की गई इस योजना की समय सीमा महज 18 महीने तय की गई थी। लेकिन विडंबना यह हैं कि 8 साल बीत जाने के बाद भी हाउस कनेक्शन का काम कछुआ चाल से चल रहा है। शहर भर में जगह-जगह चेंबर बनाकर उन्हें खुला छोड़ दिया गया है। जो रात के अंधेरे में किसी भी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। पूर्व की कंपनी काम अधूरा छोड़कर भाग चुकी है और अब दूसरी कंपनी भी उसी ढर्रे पर चलते हुए केवल खानापूर्ति कर रही है। नगर परिषद भी करोड़ों रुपए की बर्बाद हो रही सड़क पर संज्ञान नहीं ले रही।

करोड़ों का बजट लेकिन सड़कों पर केवल धूल और गड्डे

मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट लिमिटेड के द्वारा किए जा रहे इस कार्य के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार पाइपलाइन डालने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पौधारोपण की जिम्मेदारी ठेकेदार की है। लेकिन हकीकत में सड़कों पर केवल घटिया पेच-वर्क (गिट्टी-मिट्टी) डालकर मनमानी की जा रही है। धूल के गुबार और उखड़ी हुई सड़कें अब शहर की नई पहचान बन गई हैं। पौधारोपण जैसी व्यवस्था तो दूर की कोड़ी नजर आ रही है। अमृत योजना की नई सड़कों की बर्बादी और घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग इस योजना की हकीकत को बयां कर रहे हैं। नगर के जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस पूरे प्रोजेक्ट के भ्रष्टाचार की जांच की जाए और घटिया निर्माण करने वाली कंपनी के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

एनटीपीसी खरगोन में सजी 'एक शाम हिंदी के नाम'

उभरते कवियों की रचनाओं ने विश्व हिंदी दिवस को बनाया यादगार

● कागज़ से मंच तक, कवियों ने दिखाई हिंदी की ताकत

अनोखा तीर, खरगोन। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एनटीपीसी खरगोन में एक शाम हिंदी के नाम विषय पर स्थानीय कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक संध्या में टाउनशिप के उभरते कवियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे कार्यक्रम जीवंत, भावनात्मक और यादगार बन गया। कवि गोष्ठी में प्रतिभागी कवियों ने सामाजिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं तथा हिंदी भाषा की गरिमा और समृद्धि को अभिव्यक्त करती स्वरचित कविताओं का पाठ किया। कवियों की सशक्त और प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया तथा पूरे सभागार में साहित्यिक वातावरण का सृजन हुआ। कार्यक्रम में मोहन वी., खरगोन एवं अमित कुमार, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कवियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में राजभाषा हिंदी के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल देते हुए दैनिक कार्यालयीन कार्यों के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में भी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। इस अवसर पर श्रीमती शैला मोहन, अध्यक्षा, अहिल्या महिला मंडल तथा श्रीमती ज्योत्सना जैन की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने इस प्रकार के आयोजनों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता और प्रेम बढ़ाने वाला बताया। कुल मिलाकर एक शाम हिंदी के नाम कार्यक्रम हिंदी भाषा के सम्मान और प्रचार-प्रसार की भावना को साकार करता हुआ एनटीपीसी खरगोन की हिंदी के प्रति सतत प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला सफल आयोजन सिद्ध हुआ।

निदेशक (एचआर) अनिल कुमार जादली ने किया उद्घाटन

डिजिटल कंप्लायंस की ओर एनटीपीसी का बड़ा कदम

● वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम को मिला महत्व

● प्रौद्योगिकी से पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने पर जोर

अनोखा तीर, खरगोन। बदलते कारोबारी परिवेश, लगातार सख्त होते नियामकीय प्रावधानों और बढ़ती जवाबदेही के दौर में संगठनों के लिए प्रभावी कंप्लायंस व्यवस्था अब एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुकी है। पारदर्शिता, समयबद्ध निर्णय और कानूनी जोखिमों को न्यूनतम करने की आवश्यकता ने डिजिटल समाधानों को कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अहम हिस्सा बना दिया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए देश की अग्रणी ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने कंप्लायंस प्रबंधन को आधुनिक और तकनीक- सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस क्रम में एनटीपीसी ने मैनुपात्रा इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स के सहयोग से एक अत्याधुनिक ऑनलाइन कंप्लायंस मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य संगठन में कानूनी

और नियामकीय अनुपालन को अधिक सशक्त, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। इस महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एनटीपीसी खरगोन को चुना जाना न केवल इस इकाई की कार्यक्षमता और प्रबंधन क्षमता को दर्शाता है, बल्कि यह भी प्रमाणित करता है कि एनटीपीसी खरगोन तकनीकी नवाचारों को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित यह प्रणाली कंप्लायंस से जुड़े सभी नियमों, अधिनियमों, समय-सीमाओं और जिम्मेदारियों को एकीकृत रूप से मॉनिटर करने में सक्षम है। इससे न केवल मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम होगी, बल्कि रियल-टाइम ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग और ऑडिट की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके साथ ही यह प्रणाली लिटिगेशन मैनेजमेंट को भी अधिक सुव्यवस्थित बनाएगी, जिससे कानूनी मामलों की प्रभावी निगरानी संभव हो सकेगी। एनटीपीसी की यह पहल डिजिटल गवर्नेंस, संस्थागत पारदर्शिता और जवाबदेही को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है। आने वाले समय में यह मॉडल पूरे एनटीपीसी नेटवर्क में लागू होकर संगठन को एक आधुनिक, तकनीक सक्षम और कानूनन सुदृढ़ संस्था के रूप में और अधिक मजबूत करेगा।

सेवा का संकल्पः भारती हॉस्पिटल ने छिदगांव काछी में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

● 150 से अधिक ग्रामीण हुए लाभान्वित

अनोखा तीर, भैरुंदा। ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारती हॉस्पिटल द्वारा लगातार स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन किये जा रहे हैं। अस्पताल का उद्देश्य है कि छोटे से छोटे गांव तक स्वास्थ्य सुविधाओं को मुहैया कराना है। इसी के चलते ग्राम छिदगांव काछी में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस

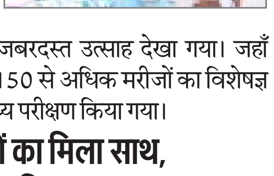

शिविर में स्वास्थ्य के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया। जहाँ आस-पास के क्षेत्रों से आए 150 से अधिक मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

● विशेषज्ञों का मिला साथ, घर के पास मिला इलाज

शिविर की सफलता का मुख्य आधार भारती हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम रही। ग्रामीणों को जटिल बीमारियों के परामर्श के लिए शहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मुनीबा शेख, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार कर्मी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. फरहा दीबा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. एल. चन्द्रवंशी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. अहमद, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आई. एच. काशिफ पूरे समय शिविर में मौजूद है। विशेषज्ञों डॉक्टरों के अलावा अस्पताल का पैरामेडिकल स्टाफ भी मुस्तैद रहा। जिन्होंने मरीजों केपंजीकरण से लेकर जांच तक में पूर्ण सहयोग किया।

● अस्पताल में उपलब्ध कराई जांच और दवाइयों की नि :शुल्क सुविधा

आमतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में जांच की सुविधा महंगी और दूर होने के कारण लोग इलाज में देरी करते हैं। इसे देखते हुए भारती हॉस्पिटल ने शिविर में खून और पेशाब की जांच के साथ-साथ ईसीजी की सुविधा भी पूरी तरह निशुल्क प्रदान की। परीक्षण के उपरांत मरीजों को अस्पताल की ओर से निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। जिससे ग्रामीणों को बड़ी आर्थिक राहत मिली।

● भारती हॉस्पिटल की सामाजिक प्रतिबद्धता

भारती हॉस्पिटल (ए यूनिट ऑफ कल्पबल्ली हेल्थ केयर प्रा. लिमिटेड) द्वारा ग्रामीण अंचलों में निरंतर इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर उचित इलाज उपलब्ध कराना ही उनका प्राथमिक लक्ष्य है। ग्रामीणों ने अस्पताल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उन बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक लाभ होता है जो लंबी यात्रा कर शहर नहीं जा पाते। भारती हॉस्पिटल का यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण पेश कर रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

अनोखा तीर, खंडवा। कृषि विभाग के निर्देश अनुसार प्रदेश के सभी जिलों में प्रचार रथ संचालित कर सरकार द्वारा किसानों के लिए शुरू की गई योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में रविवार को खंडवा कलेक्ट्रेट से कृषि विभाग का प्रचार रथ रवाना हुआ। इस रथ को खंडवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला भाजपा

अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डी के वाणी, उप संचालक कृषि नितेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी मौजूद थे। उप संचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि जिले में कृषि रथ का संचालन 11 जनवरी से आगामी एक माह की अवधि के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह के प्रचार रथ जिले के अन्य सभी सभी विकासखंडों से अपने-अपने क्षेत्र के ग्रामों के लिए रवाना होंगे। जिले में कुल 7 कृषि रथ तैयार किए गए है, प्रत्येक कृषि रथ प्रत्येक विकास खंड की 3 ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेगा 7 इस प्रचार रथ के माध्यम से किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधीकरण, पराली प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार तथा ई-टोकन आधारित उर्वरक वितरण व्यवस्था की जानकारी दी जावेगी। इस अभियान के दौरान कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों, कृषि उद्यमियों एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग एवं आत्मा परियोजना के अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

मानव जीवन का सदुपयोग करें: ललित किशोर दाधीच

अनोखा तीर, खंडवा। देवझीरी भूतेश्वर महादेव मंदिर में चल रही शिव पुराण कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं। कथा वाचक ललित किशोर दाधीच ने कहा कि बड़े पुण्य से मानव जीवन प्राप्त हुआ है, इसका सदुपयोग अच्छे कर्मों के माध्यम से करना चाहिए। धर्म और सत्कर्म ही मनुष्य की पहचान हैं। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि पंधाना विधानसभा क्षेत्र के भोजाखेड़ी के समीप देवझीरी में क्षेत्रवासियों के सहयोग से महाशिवपुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दौरान दाधीच ने अत्रि-अनसूया, राजा नल-दमयंती सहित कई प्रसंगों के माध्यम से धर्म, तप और सत्य के महत्व को बताया। उन्होंने कहा

कि जिन महापुरुषों ने धर्म और आदर्श नहीं छोड़े, वे आज भी स्मरण किए जाते हैं। कथा में यह भी बताया गया कि समय चक्र बदलता है, लेकिन जो व्यक्ति धर्म का मार्ग नहीं छोड़ता, वही अंततः विजयी होता है। कथा श्रवण से मन को शांति और पुण्य की प्राप्ति होती है। रविवार को शिव पुराण कथा में क्षेत्रीय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, पंधाना विधायक छाया मोरे और मांधाता विधायक नारायण पटेल भी पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने कथा श्रवण कर आरती में भाग लिया और श्रद्धालुओं के साथ धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन 21000 रुद्राक्ष से निर्मित शिवलिंग का महाअभिषेक किया जा रहा है। सोमवार को 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा का वर्णन किया जाएगा।

सार-समाचार

मेहर गढ़वाल समाज परिचय सम्मेलन एवं गौरव सम्मान समारोह के लिए महिला प्रकोष्ठ ने किया जनसंपर्क

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। मेहर गढ़वाल समाज कल्याण परिषद मध्यप्रदेश के 26 वें युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं गौरव सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए क्षेत्र के सेमरी हरचंद, झालौन और जमुनिया ग्राम में प्रांतीय महिला प्रकोष्ठ द्वारा समाज में जनसंपर्क किया गया। प्रांतीय मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी तरुण मेहरा ने बताया कि समाज का परिचय सम्मेलन कार्यक्रम 1 फरवरी दिन रविवार को भोपाल स्थित

परमार धर्मशाला पहाड़ी दुर्गा मंदिर परिसर में होना है। जिसके लिए प्रदेश भर में समितियों द्वारा लगातार जनसंपर्क किया जा रहा है एवं पत्रक वितरण किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में विवाह योग्य पुत्र-पुत्री के साथ सहपरिवार शामिल होने सामाजिक बंधुओं को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी क्रम में सेमरी हरचंद क्षेत्र में क्रांति महिला प्रकोष्ठ द्वारा पत्रक वितरण कर सहयोग राशि एकत्रित की गई। कार्यक्रम में कला, संस्कृति, शिक्षा, खेल, साहित्य, विज्ञान, समाजसेवा, शासकीय सेवा, कृषि एवं उद्यमिता आदि में अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्ट के आयाम स्थापित करते हुए समाज को गौरवान्वित किया है ऐसे लोगों को संस्था द्वारा गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसी तारतम्य में प्रांतीय महिला प्रकोष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्प लता बामलिया, प्रांतीय महासचिव श्रीमती अर्चना मेहरा, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष श्रीमती क्षमता मेहरा, क्षेत्रीय समिति इटारसी सचिव श्रीमती मनीषा पवार एवं प्रांतीय मीडिया प्रभारी तरुण मेहरा द्वारा जनसंपर्क कर कार्यक्रम में शामिल होने आमंत्रित किया गया।

माँ नर्मदा की परिक्रमा आस्था और सेवा का मार्ग : दीपक दीक्षित

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। माँ नर्मदा की परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं का श्रद्धा और सेवा भाव के साथ स्वागत किया गया। नर्मदा प्रसाद एवं उनकी धर्मपत्नी हेमलता गौर ने अपने निवास पर परिक्रमावासियों को भोजन प्रसादी करवाई और शाल-श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित ने कहा कि माँ नर्मदा की परिक्रमा

आस्था और सेवा का मार्ग है। परिक्रमावासियों की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। परिक्रमा वासियों की सेवा करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और पुण्य की प्राप्ति होती है। हर साल हजारों लाखों श्रद्धालु माँ नर्मदा की परिक्रमा करते हैं और उनका स्वागत कर हमें आत्मिक शांति मिलती है। नर्मदा परिक्रमा वासी भागीरथ गौर, रामविलास गौर, गोलू केवट, बिहारी लाल गौर, दमयंती बाई, कृष्णा बाई गौर, भूरिया बाई गौर, मीराबाई गौर का स्वागत किया गया। नर्मदा परिक्रमा वासियों के द्वारा सभी को नर्मदा जल, प्रसादी के साथ आशीर्वाद दिया गया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित, नर्मदा गौर, विनोद सोनी, प्रहलाद गुप्ता, प्रवीन रावत और विशाल लोवंशी सहित अन्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

तेज आवाज में गाने बजाने पर हुआ विवाद

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। फरियादी उमेश पिता कन्हैयालाल अहिरवार 35 वर्ष निवासी आईसीआईसीआई बैंक के पास सेमरीहरचंद द्वारा इस आशय की प्राथमिकी रामदास, दीपक, राजकुमार, पंकज एवं जयदेव अहिरवार सभी निवासी वार्ड नंबर 12 अंबेडकर वार्ड के खिलाफ दर्ज कराई। जिसमें गत रात्रि करीबन 9 बजे अंबेडकर वार्ड स्थित व्यायाम शाला गया हुआ था। व्यायाम शाला में और भी लड़के जिम कर रहे थे। जयदेव अपने मोबाइल से तेज गाना बजा रहा था बाकी लड़कों ने मुझसे कहा कि भैया जयदेव का मोबाइल बंद करा दो। जब जयदेव से कहा कि मोबाइल बंद कर दो बाकी लोगों को आपत्ति हो रही है इसी बात को लेकर जयदेव एवं उसके उक्त साथियों द्वारा गंदी-गंदी गालियां देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर मारपीट एवं अन्य धाराओं का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की ग्राम इकाई बैठक संपन्न

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा ग्राम इकाई बैठक संपन्न हुई। जिसमें 150 हनुमान चालीसा केंद्र खोलने पर चर्चा हुई एवं 1000 हनुमान चालीसा वितरण करने के अभियान को लेकर एवं संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। जिसमें तहसील प्रमुख राघवेंद्र तोमर, तहसील ग्रामीण अध्यक्ष शिव चौधरी, नगर अध्यक्ष ललित पटेल, ऋतिक पटेल, शुभम शर्मा, सानू कहार, हर्षित पटेल, गौरव कुशवाहा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अनोखा तीर, माखननगर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत विकासखंड माखन नगर और विकासखंड सोहागपुर के कृषि रथ को विधायक विजय पाल सिंह, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा, मुख्य कार्यपालन जिला पंचायत हिमांशु जैन, एसपी साई कृष्ण थोटा, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह द्वारा हरी झंडी देकर विकासखंड के ग्रामों में रवाना किया गया। कृषि रथ पूरे एक माह तक विकासखंड की समस्त ग्राम पंचायतों में पहुंचेगा जिसके द्वारा उन्नत कृषि और योजनाओं की जानकारी किसानों को दी जाएगी।

नर्मदापुरम को बड़ी सौगात

28 हजार बच्चों को मिलेंगे एजुकेशनल डेस्क युक्त स्कूल बैग

- एनएमबी कॉलेज में उच्च शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के हाथों आज होगा वितरण

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

भारत सरकार की गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'स्कूल बैग विथ एजुकेशनल डेस्क' वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ नर्मदापुरम जिले में किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत जिले के 27,778 बच्चों को इनोवेटिव एवं स्वास्थ्य-सहायक स्कूल बैग प्रदान किए जाएंगे। स्थानीय वाटिका रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने बताया कि यह महत्वाकांक्षी योजना नर्मदापुरम जिले को प्राप्त हुई है, जो जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों की शिक्षा को सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके शारीरिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने जानकारी दी कि आज एनएमबी कॉलेज नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के हाथों इन स्कूल बैगों का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा

विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं निपुण भारत कार्यक्रम 2023 के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया के सतत प्रयासों से यह योजना नर्मदापुरम जिले तक पहुंच सकी है। इस पहल को गेल (इंडिया) लिमिटेड के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत अवंत फाउंडेशन के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है। आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित एजुकेशनल डेस्क से युक्त यह इनोवेटिव स्कूल बैग (पेटेंट संख्या 287945) बच्चों को सही मुद्रा में बैठकर पढ़ने की सुविधा देता है, जिससे उनकी रीढ़, आंखों एवं मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायता मिलती है। यह बैग स्कूल और घर दोनों जगह उपयोगी रहेगा। शासकीय प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को इन बैगों का वितरण किया जाएगा, जिससे ग्रामीण, वंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

सांसद माया नारोलिया ने कहा कि केंद्र सरकार, गेल (इंडिया) लिमिटेड और अवंत फाउंडेशन के सहयोग से नर्मदापुरम जिले को यह विशेष सौगात मिली है, जो जिले की शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती देगी। प्रेस वार्ता में नपा अध्यक्ष नीतू यादव, भाजपा जिला महामंत्री कुंवर सिंह यादव, डीपीसी डॉ राजेश जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुंदर अग्रवाल, सचिन तोमर, धर्मेंद्र जाट, सुमित गौड़ सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांव-गांव पहुंचकर संगठन विस्तार और सामाजिक एकता का संदेश

- **कहार महासंघ का गांव-गांव एकता अभियान, कौड़िया में हुई अहम सामाजिक बैठक**

अनोखा तीर, बुदनी। कहार महासंघ द्वारा पूरे प्रदेश में समाज को संगठित करने एवं एकता के सूत्र में बांधने के उद्देश्य से गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कौड़िया, गाडरवारा जिला नरसिंहपुर में एक महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अजय रायकवार, राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ प्रभारी ने समाज को संगठित होकर शिक्षा,

रोजगार और सामाजिक अधिकारों के लिए एकजुट रहने का संदेश दिया। वहीं राम गोपाल रैकवार प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कहार महासंघ का यह अभियान समाज में जागरूकता बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में सती नर्मदापुरम की नारी शक्ति के रूप में गायत्री माझी जिला अध्यक्ष की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। बैठक में सोहन कहार जिला अध्यक्ष, गोविंद गाडरवारा नगर अध्यक्ष, विष्णु कहार महासचिव, राजेश केवट जिला ब्लॉक अध्यक्ष, लव कुश केवट नरसिंहपुर जिला नगर अध्यक्ष एवं अनिल कहार चीचली नगर अध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक के दौरान समाज की एकता, संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

दुर्घटना में घायलों की मदद करें, इनाम और सम्मान पाएँ : यातायात डीएसपी

राहवीर योजना के तहत घायल को स्वर्णिम समय में अस्पताल पहुँचाने पर मिलेंगे 25 हजार रुपए

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की समय पर मदद कर उनकी जान बचाने के लिए नर्मदापुरम पुलिस ने आम नागरिकों से आगे आने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुँचाने पर न केवल कानूनी सुरक्षा मिलेगी, बल्कि प्रशासन की ओर से सम्मान और आर्थिक प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा ने बताया कि शासन द्वारा 'राहवीर योजना' के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया है, जिससे लोग बिना किसी डर या झिझक के घायलों की सहायता कर सकें।

यह योजना मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुमोदित एवं लागू की गई है, जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना और घायलों को 'स्वर्णिम समय' यानी दुर्घटना के एक घंटे के भीतर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना है। मध्यप्रदेश पुलिस की राहवीर योजना के अंतर्गत जो भी नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय रहते अस्पताल पहुँचाता है, उसे 25 हजार का पुरस्कार दिया जाता है। यदि एक से अधिक लोग किसी घायल की मदद करते हैं, तो प्रत्येक राहवीर को यह राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही मोटर वाहन अधिनियम 2019 की धारा 134 (ए) के तहत राहवीरों को कानूनी संरक्षण भी दिया गया है, ताकि वे किसी भी प्रकार की कानूनी उलझन के डर के बिना निसंकोच होकर घायलों की सहायता कर सकें। योजना के अंतर्गत सभी पात्र राहवीरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर हर वर्ष 10 उत्कृष्ट राहवीरों को नई दिल्ली में 1 लाख रुपए की पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार की राशि सीधे राहवीर के बैंक खाते में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से भेजी जाती है, जिससे प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सरल बनी रहती है। नर्मदापुरम पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के समय घायलों की मदद करना एक मानवीय कर्तव्य है। राहवीर योजना न केवल लोगों को प्रोत्साहित करती है, बल्कि उन्हें कानूनी सुरक्षा और सम्मान भी प्रदान करती है। पुलिस ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना हैं। घायलों को तुरंत और प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

नर्मदापुरम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, व्यापक कांबिंग गश्त में 122 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया

अनोखा तीर, इटारसी। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम द्वारा जिले के सभी अनुभागों अंतर्गत थाना क्षेत्रों में 10 जनवरी को व्यापक स्तर पर कांबिंग गश्त कराई गई एवं देर रात चले इस अभियान में गुंडा, बदमाशों की भी चेकिंग की गई। देर रात तक चली इस कार्यवाही के दौरान सभी थाना प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्र में सक्रिय बदमाशों, वारंटियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत नर्मदापुरम अनुभाग अंतर्गत थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 11 फरारी वारंट एवं देहात पुलिस द्वारा 11 फरारी वारंट तामील कराए गए। अनुभाग इटारसी अंतर्गत थाना इटारसी पुलिस द्वारा 17 फरारी वारंट, पथरौटा पुलिस द्वारा 7 फरारी वारंट, थाना केसला पुलिस द्वारा 5 फरारी वारंट, थाना रामपुर पुलिस द्वारा 2 फरारी वारंट तामील कराए गए। अनुभाग सिवनी मालवा अंतर्गत थाना सिवनी मालवा पुलिस द्वारा 6 फरारी वारंट, थाना डोलरिया द्वारा 8 फरारी वारंट एवं थाना शिवपुर पुलिस द्वारा 4 फरारी वारंट तामील कराए गए। अनुभाग सोहागपुर अंतर्गत थाना सोहागपुर पुलिस द्वारा 15 फरारी वारंट एवं थाना माखननगर द्वारा 18 फरारी वारंट तामील कराए गए। अनुभाग पिपरिया अंतर्गत थाना पिपरिया पुलिस द्वारा 8 फरारी वारंट, थाना बनखेड़ी पुलिस द्वारा 7 फरारी वारंट, थाना स्टेशन रोड पिपरिया द्वारा 3 फरारी वारंट तामील कराए गए। इस प्रकार देर रात चले इस अभियान अंतर्गत कुल 122 फरार वारंटीयों को गिरफ्तार किया गया।

हिंदू सम्मेलन में जात-पात छोड़ एकता का आह्वान किया

जातपात की करो विदाई, हम सब हिन्दू भाई-भाई : अनिल पाटीदार

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। बानापुरा में आयोजित हिंदू सम्मेलन बानापुरा बस स्टैंड पर किया। जिसमें हिन्दू माता, बहने, युवा शामिल हुए। आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया। हिन्दू सम्मेलन में हिन्दू समाज की एकता, समरसता और जातिगत भेदभाव समाप्त करने का संदेश दिया गया। मुख्य वक्ता जिला प्रचारक नर्मदापुरम अनिल पाटीदार ने कहा कि भारत भूमि पर जन्म लेना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि 1 हजार वर्षों तक हिंदू समाज ने आक्रमणों और अत्याचारों का सामना किया है। इतिहास के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के मंदिर को तोड़ा गया और अकबर, औरंगजेब के शासनकाल में अनेक मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया। इस्लाम धर्म अपनाने के लिए अनेक अत्याचार किए। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर देश का विभाजन हुआ। उन्होंने महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह, छत्रपति शिवाजी महाराज और जीजामाता के त्याग और बलिदान का स्मरण कराते हुए कई संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि धन्य हैं गुरु गोविंद सिंह के पुत्र जोरावर सिंह और फतेह सिंह, जिन्होंने धर्म परिवर्तन स्वीकार करने के बजाय अपने प्राणों का बलिदान दिया। वक्ताओं ने कहा कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव बना हुआ है। जिससे हिंदू समाज कमजोर होता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भोले-भाले आदिवासियों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है, जो समाज के लिए गंभीर विषय है। पहलगाम की घटना का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि समरसता और एकता के बिना समाज सुरक्षित नहीं रह सकता।

मां नर्मदा एवं बांद्राभान संगम स्थल पर शिक्षकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नारायण प्रजापति के नेतृत्व में शिक्षा विभाग के शिक्षकों द्वारा मां नर्मदा एवं बांद्राभान संगम स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया। मां नर्मदा के पावन तट पर आयोजित इस अभियान में संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांगाखेड़ा कला के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य नर्मदा तट को स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखना तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के दौरान सभी शिक्षकों ने मिलकर तट पर फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन, कचरा एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि मां नर्मदा हमारी आस्था की प्रतीक और जीवनदायिनी नदी हैं। उनकी स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर राजेश पांडे ने बताया कि शिक्षक विभाग के शिक्षाकर्मियों द्वारा मां नर्मदा स्वच्छता अभियान को निरंतर चलाया जाएगा। यह केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसे नियमित अभियान के रूप में आगे भी जारी रखा जाएगा, ताकि नर्मदा तट हमेशा स्वच्छ और निर्मल बना रहे।

स्वर्गवासी सिपाही के आश्रित को दस लाख का जीवन बीमा लाभ दिया

अनोखा तीर, माखन नगर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा माखननगर द्वारा स्वर्गवासी सिपाही स्व. दिनेश कुमार यादव

निवासी ग्राम गुजरवाड़ा को स्वर्गवास उपरांत डिफेंस सैलेरी पैकेज के तहत जीवन बीमा का दस लाख रुपये का चेक उनके आश्रित पिता गुल्लू यादव को प्रदान किया गया। शाखा प्रबंधक गुड्डू कुमार ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं के कर्मचारियों को, जो कर्मचारी सैलेरी खाताधारक हैं, विभिन्न लाभों के साथ जीवन बीमा और दुर्घटना जीवन बीमा का लाभ भी प्रदान करती है।

दादा गुरु महाराज की नर्मदा परिक्रमा का बुधनी में ऐतिहासिक स्वागत

अनोखा तीर, बुधनी। मां नर्मदा के पावन तट पर इन दिनों श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिल रहा है। कठोर साधना और विलक्षण योग शक्ति के लिए प्रसिद्ध सिद्ध महायोगी दादा गुरु महाराज (समर्थ भैया जी सरकार) अपनी चौथी नर्मदा परिक्रमा के दौरान रविवार शाम लगभग 1300 श्रद्धालुओं के विशाल जत्थे के साथ बुधनी पहुंचे। रविवार सुबह आंवलीघाट से रवाना हुई इस पदयात्रा का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, आरती और जयघोष के साथ स्वागत किया। जैसे ही यात्रा बुधनी पहुंची, पूरा नगर 'नर्मदे हर' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। नगरवासियों द्वारा मां नर्मदा के तट पर दादा गुरु महाराज का भव्य स्वागत किया। रात्रि में मां नर्मदा की भव्य आरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

दशहरा मैदान में सत्संग- दादा गुरु महाराज आज सोमवार को दशहरा मैदान बुधनी में सायं 6 से 9 बजे तक भजन-कीर्तन एवं सत्संग प्रवचन देंगे। रात्रि विश्राम के पश्चात वे सोमवार को ही अपनी नर्मदा परिक्रमा यात्रा के अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान करेंगे।

1800 दिनों से निराहार साधना, केवल नर्मदा जल पर जीवन- इस नर्मदा परिक्रमा की सबसे विशेष बात दादा गुरु महाराज की कठिन एवं अद्‌भुत साधना है। वे पिछले लगभग छह वर्षों (करीब 1800 दिन) से पूर्णतः निराहार हैं। दादा गुरु अन्न, फल अथवा किसी भी प्रकार का भोजन ग्रहण नहीं करते, बल्कि दिन में केवल एक बार मां नर्मदा का जल पीकर अपनी साधना और पदयात्रा को निरंतर जारी रखे हुए हैं। उनकी इस योग शक्ति को वैज्ञानिक भी आश्चर्य की दृष्टि से देख रहे हैं, जबकि श्रद्धालु इसे मां नर्मदा की असीम कृपा मानते हैं।

धर्म के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश- उल्लेखनीय है कि 5 नवंबर को ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुई यह नर्मदा परिक्रमा केवल आध्यात्मिक यात्रा नहीं, बल्कि एक सामाजिक और पर्यावरणीय जागरूकता अभियान का स्वरूप भी ले चुकी है। दादा गुरु महाराज के नेतृत्व में परिक्रमावासी नर्मदा तट को कचरा मुक्त रखने, जल की शुद्धता बनाए रखने तथा ग्रामीण अंचलों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। नर्मदा तट पर पहुंच रही यह पदयात्रा श्रद्धा के साथ-साथ समाज को संयम, स्वच्छता और प्रकृति संरक्षण का सशक्त संदेश दे रही है।

सार-समाचार

पूर्व विधायक श्याम होलानी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि व सुंदरकांड पाठ

अनोखा तीर, कांटाफोड़। पूर्व विधायक स्वर्गीय श्याम होलानी की पांचवीं पुण्यतिथि पर होलानी परिवार द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धा

सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक कैलाश कुंडल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हीरालाल पटेल, नरेंद्र पाटोदी, नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश अमोदिया, मंडल अध्यक्ष सुनील पटेल, सत्यनारायण तिवारी, नाहर सिंह मुजाल्दे, जिला पंचायत सदस्य रमण कलम, ब्लॉक अध्यक्ष राजाराम यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा संगीतमय भजनों के साथ सुंदरकांड पाठ का वाचन किया गया। परिवार की ओर से शैलेष होलानी, राजेश होलानी, पीसीसी सदस्य मनोज होलानी, आयुष होलानी, निशित होलानी सहित अन्य परिजन मौजूद रहे। उपस्थितजनों ने श्याम होलानी के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को स्मरण किया। स्वर्गीय श्याम होलानी देवास जिले में कांग्रेस के कद्दावर नेता के रूप में पहचाने जाते थे। वे कांग्रेस पार्टी के देवास जिला अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पद पर भी रह चुके थे।

नगर परिषद अध्यक्ष डॉ. वर्षा मालवीय को मिली पीएचडी की उपाधि

अनोखा तीर, चिचोली। इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, इसे चिचोली नगर परिषद की अध्यक्ष डॉ. वर्षा रितेश मालवीय ने सिद्ध कर दिखाया है। भोपाल स्थित आईईएस यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में उन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई, जिससे क्षेत्र में

हर्ष का माहौल है। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल उपस्थित रहे। उन्होंने डॉ. वर्षा मालवीय को शोध कार्य पूर्ण करने पर डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। समारोह में राज्यसभा सांसद सहित अनेक विशिष्टजन और शिक्षाविद् मौजूद रहे। डॉ. वर्षा मालवीय की यह उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उन्होंने पारिवारिक, सामाजिक और राजनीतिक दायित्वों के साथ-साथ अपनी शिक्षा को निरंतर जारी रखा। नगर परिषद अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त करना अनेक लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। डॉ. वर्षा मालवीय नगर के प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से जुड़ी हैं। वे पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संतोष मालवीय एवं सुलोचना मालवीय की पुत्रवधू हैं तथा वर्तमान में नगर परिषद अध्यक्ष के रूप में सक्रिय रूप से जनसेवा कर रही हैं। वे शिक्षा के प्रति जागरूकता और समाज के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी। बधाई देने वालों में अनिल सिंह कुशवाहा, ज्योति जीवन पानकर, मोहिनी जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समर्थक और शुभचिंतक शामिल रहे।

सतवास नाली अतिक्रमण विवाद में झुलसी महिला का निधन

अनोखा तीर, सतवास। नगर परिषद की अतिक्रमण कार्रवाई के दौरान आत्मदाह का प्रयास करने वाली जयश्री व्यास का इंदौर के अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। घटना के 18 दिन बाद रविवार को महिला ने दम तोड़ दिया, जिससे नगर में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। घटना 24 दिसंबर की है, जब नगर परिषद और राजस्व विभाग की टीम सार्वजनिक नाली से अतिक्रमण

हटाने पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान विरोध स्वरूप संतोष व्यास और जयश्री व्यास ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाकर दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें इंदौर रेफर किया गया। जयश्री व्यास करीब 18 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहीं। इस दौरान उनकी दो सर्जरी की गई। डॉक्टरों के अनुसार हालत में सुधार हो रहा था, लेकिन शनिवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। रविवार सुबह करीब 11 बजे उनका निधन हो गया। पति संतोष व्यास को एक दिन पहले ही अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी थी। महिला के निधन के बाद शास्त्री कॉलोनी स्थित निवास से अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। एहतियातन सतवास, कन्नौद, खातेगांव और हरणगांव थानों का पुलिस बल तैनात किया गया। इधर, नगरवासियों और परिजनों ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना नियमविरुद्ध कार्रवाई की गई, जिससे यह दुखद घटना हुई। ज्ञापन में पीड़ित परिवार को मुआवजा देने, दोषी अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज करने, एक व्यक्ति की गिरफ्तारी और पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की गई है। तहसीलदार हरिओम ठाकुर ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

हिन्दू समाज की एकजुटता ही विश्व कल्याण का मार्ग है

● 9 मंडलों के 80 गांवों के हजारों लोग सम्मलित हुए

अनोखा तीर, देवास। सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा राष्ट्र सुरक्षा में समाज की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य रविवार को 9 मंडलों और देवास नगर की 17 बस्तियों के साथ करनावद, भौरांस, टोंक एवं पिपलरवा नगर में भी विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिनमे एक लाख से अधिक लोग सम्मलित हुए। यह सम्मेलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष होने पर आयोजित हो रहे है।

ग्रामीण अंचलों के 9 मंडलों में 80 गांवों के लोग सहभागी हुए। देवास नगर में इटावा, विजयनगर, मुखर्जीनगर, रामनगर, मोती बंगला, नई आबादी, कैलादेवी, सनसिटी, नागदा, जवाहर नगर, कालानी बाग, बजरंगपुरा, तुलजा विहार, राजाभाऊ महांकाल, राधागंज, आदर्श नगर एवं भोसले कालोनी बस्तियों के हिन्दू सम्मेलन आयोजित हुए। इन सम्मेलनों में भारत माता पूजन, आरती, गो माता पूजन, शास्त्र पूजन, कलश यात्रा, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजन जैसे धार्मिक कार्यक्रमों के साथ गणेश-सरस्वती वंदना पर नृत्य एवं पंच परिवर्तन पर नाटिका जैसे संस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर सभी स्थानों पर जात पात वर्ग भेद को मिटाकर समरसता सहभोज भी आयोजित किये गए। स्थानीय स्तर पर प्रमुख संत, मातृ शक्तियां, समाजसेवी एवं बुद्धिजीवी वक्ता के रूप में मंचासीन रहे। वक्ताओं ने हिन्दू समाज को अपनी सनातन परंपराओं, मूल्यों एवं संगठन शक्ति के प्रति जागरूक करने का आव्हान किया। साथ ही सामाजिक एकता को मजबूत करने एवं राष्ट्रहित में सामूहिक योगदान पर बल देना सभी का कर्तव्य बताया। वक्ताओं ने पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन के महत्व को बताया। संतो ने हिन्दू समाज की एकजुटता ही विश्व कल्याण का मार्ग होना बताया। आगामी दिनों में देवास नगर की शेष 15 बस्तियों के हिन्दू सम्मेलन भी आयोजित होंगे।

पिपलरवा के हिन्दू सम्मलेन में 2 बेटियों का भी विवाह हुआ

पीपलरवा नगर के हिंदू सम्मेलन समरसता का विशेष रूप देखने को मिला। यहां आयोजन समिति द्वारा हिन्दू सम्मेलन में गरीब परिवारों की दो बेटियों का निःशुल्क विवाह भी करवाया गया। हिंदू सम्मेलन में सहभागी हजारों लोगों ने नवयुगलों को आशीर्वाद प्रदान किया।

एमराल्ड हेरीटेज भूमि आवंटन पर शीर्ष अधिकारियों को नोटिस

अनोखा तीर, बैतूल।

जिला जेल परिसर की बहुमूल्य भूमि निजी फर्म एमराल्ड हेरीटेज को आवंटित किए जाने के मामले में मध्यप्रदेश शासन के चीफ सेक्रेटरी, प्रमुख सचिव राजस्व विभाग, कलेक्टर बैतूल और नगर पालिका अधिकारी बैतूल को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। इस प्रकरण में आगामी 24 जनवरी को सुनवाई निर्धारित की गई है। अधिवक्ता दर्शन बुंदेला ने बताया कि बैतूल की सिविल सोसायटी की ओर से सुनील पलेरिया द्वारा लोक उपयोगी सेवाओं की स्थाई लोक अदालत, बैतूल में धारा 22(क) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत परिवाद प्रस्तुत किया गया था। इसमें उक्त भूमि को शहर की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे हाट बाजार, पार्किंग आदि के लिए आरक्षित किए जाने का उल्लेख किया गया है। न्यायालय ने परिवाद को पंजीबद्ध करते हुए संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होकर पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि नोटिस के बाद भी अनुपस्थित रहने की स्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदा पुराण कथा का भक्तिमय समापन

अनोखा तीर, नेमावर। मां नर्मदा और जामनेर के पावन संगम पर स्थित संत आत्माराम बाबा चरण पादुका स्थल मेल घाट में आयोजित सात दिवसीय श्री नर्मदा पुराण कथा का रविवार को भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। कथा का वाचन भारती किशोरी ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में नर्मदा भक्तों ने उपस्थित होकर धर्मलाभ लिया। समापन अवसर पर शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सनातनी हिंदू सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाहक

धर्मेंद्र सिंह सेंधव ने सनातन संस्कृति की रक्षा पर विचार रखे। आयोजन में विधायक आशीष शर्मा ने व्यास गादी का पूजन-अर्चन किया। कथा के दौरान नर्मदा की महिमा और सनातन धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतिदिन नगर एवं आसपास के समाजों द्वारा भंडारे आयोजित कर प्रसादी वितरित की गई। समापन दिवस पर भी भव्य भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन समिति ने बताया कि मां नर्मदा और संत आत्माराम बाबा की कृपा से भविष्य में भी इस पावन स्थल पर धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी रहेगी। समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले दानदाताओं और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

योगिता साहू का मध्यप्रदेश कबड्डी टीम में चयन

अनोखा तीर, खातेगांव। द्रोणाचार्य अकादमी खातेगांव की होनहार खिलाड़ी योगिता साहू का चयन मध्यप्रदेश सर्कल कबड्डी नेशनल टीम में हुआ है। यह टीम नैनीताल, उत्तराखंड में आयोजित होने वाले नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट में

भाग लेगी। कबड्डी कोच राजेश बिश्नोई ने बताया कि 13 जनवरी तक नैनीताल में नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए मध्यप्रदेश की टीम में योगिता साहू का चयन हुआ है। योगिता लगातार तीन वर्षों से मध्यप्रदेश सर्कल कबड्डी नेशनल टीम का हिस्सा रही हैं और इससे पहले विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की ओर से भी प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। योगिता की इस उपलब्धि पर विधायक आशीष शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष सारिका चौधरी, अकादमी अध्यक्ष दिनेश बिश्नोई, कोच योगेश जानी, हीरालाल गहलोत, तेजा जाट, रामसुख बेनीवाल, तेज गिरी सहित क्षेत्र के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मेकलसुता एकेडमी में सड़क सुरक्षा वर्कशॉप आयोजित

अनोखा तीर, खातेगांव। 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा माह के तहत मेकलसुता एकेडमी, खातेगांव में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक घंटे की सड़क सुरक्षा जागरूकता वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य सड़कों पर सुरक्षित यातायात, ट्रैफिक नियमों, सड़क संकेतों और दुर्घटनाओं से बचाव से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विशेषज्ञों ने सरल और व्यावहारिक रूप में दिए। कार्यक्रम के उपरांत रोड सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इससे विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनीष कुमार मीणा, प्रोजेक्ट मैनेजर सुरिंदर छाबड़ा और ओएंडएम प्रोजेक्ट मैनेजर सचिन सोमकुवर के मार्गदर्शन में किया गया। संचालन रूट इंसिडेंट मैनेजर अजय पाटिल और सेफ्टी मैनेजर एकांश शुक्ला ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रूट कंट्रोल इंचार्ज लवकुश सिंह, सेफ्टी इंचार्ज विशाल शुक्ला और अजय धाकड़ की भूमिका रही। अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। समापन अवसर पर एकेडमी डायरेक्टर सदासुख पटेल और प्राचार्य मनोज तिवारी ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करते हैं और सुरक्षित सड़क परिवेश के निर्माण में सहायक होते हैं।

किसान जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना

अनोखा तीर, खातेगांव। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने के क्रम में 11 जनवरी को भोपाल के कोक्ता बायपास एवं जंबूरी मैदान में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण खातेगांव मंडी परिसर के मीटिंग हॉल में किया गया, जिसे बड़ी संख्या में किसानों और जनप्रतिनिधियों ने देखा। सीधे प्रसारण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक आशीष शर्मा तथा विशेष अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर, वीरेंद्र राजावत और विधायक प्रतिनिधि पुरुषोत्तम व्यास उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने मध्यप्रदेश शासन और भारत सरकार की विभिन्न कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। सीधा प्रसारण समाप्त होने के बाद विधायक आशीष शर्मा और मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर ने किसान जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रथ 10 फरवरी तक क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर किसानों को कृषि की नवीन और परंपरागत तकनीकों के समन्वय से खेती को अधिक उन्नत बनाने के लिए जागरूक करेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी निरंजन सिंह गुर्जर, मंडी सचिव रघुनाथ सिंह लोहिया सहित मंडी के व्यापारी, कृषक, हम्माल, तुलावटी और मंडी कर्मचारी मौजूद रहे। करीब 400 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

विधायक आशीष शर्मा ने प्राचीन शिव मंदिर में किया 108 ओंकार मंत्र जाप

अनोखा तीर, खातेगांव। विधायक आशीष शर्मा के सानिध्य में खातेगांव नगर स्थित प्राचीन शंकर मंदिर में प्रदोष काल के अवसर पर भगवान शिव का पूजन-अर्चन, महाआरती एवं 108 ओंकार मंत्र का जाप किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साथियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश और जिला संगठन के मार्गदर्शन में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026 के उपलक्ष्य में किया गया। आयोजन के दौरान सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान के संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही सनातन स्वाभिमान और शिवालयों की अखंडता के लिए संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र चौधरी, वीरेंद्र सिंह राजावत, बलराम थोरी, राजेश गोस्वामी, शेखर अग्रवाल, शैलेश यादव, मुकेश गिरी, सूरज यादव, कमल कासलीवाल, ललित विश्नोई, नंदकिशोर वर्मा, दीपक जाधव, विशाल सेखावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत भारती में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

अनोखा तीर, बैतूल।

ग्राम भारत भारती में रविवार को भारत भारती मंडल के तत्वावधान में विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम मुकुंद गिरी महाराज, बलदेव वाघमारे और रीना श्रीवास्तव के आतिथ्य में तथा श्यामराव बारंगे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कलश यात्रा के बाद वंदे मातरम के साथ सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मुख्य वक्ता नर्मदापुरम विभाग के धर्म रक्षा संयोजक जोगेंद्र सूर्यवंशी ने कहा कि हिंदू धर्म विभिन्न परंपराओं और विश्वासों का समुच्चय है, जिसे सनातन धर्म कहा जाता है। उन्होंने कहा कि संगठित हिंदू समाज ही समर्थ और सक्षम भारत का निर्माण कर सकता है।

उन्होंने समाज से जातिगत भेदभाव त्यागकर एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि वर्तमान समय में कुछ तत्वों द्वारा हिंदू समाज को विभाजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सम्मेलन में धर्म जागरण के सामाजिक बंधुओं का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन ज्ञान कृति विद्यालय के संचालक कृष्णा पारधे ने किया। इस दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भजन और समाजजनों के विचार भी हुए। भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। सम्मेलन में भारत भारती मंडल के दस गांवों से आए सामाजिक बंधु, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी और बच्चे उपस्थित रहे। विराट हिंदू सम्मेलन में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

रुक्मणी विवाह की मनमोहक झांकी ने लूटा सबका दिल

● भागवत ज्ञान गंगा सप्ताह, योगेश्वर कृष्ण के विवाह में बाराती बन श्रोताओं ने किया नृत्य

अनोखा तीर, भोपाल। साकेत नगर गणेश मैदान में 5 जनवरी से चल रही आनंदमयी भागवत ज्ञान गंगा सप्ताह में कथाव्यास पुराण प्रभाकर शशांक शेखर महाराज रसमयी श्रीमद् भागवत महापुराण का आनंद बरसा रहे हैं। कथा के छठवें दिन श्री कृष्ण की मथुरा गमन लीला, उद्धव संवाद जैसी मार्मिक लीलाओं सहित, श्री कृष्ण के विवाह की लीलाओं का प्रसंग सुनाया। नंदबाबा और यशोदा मैया के साथ गोकुल में 5 वर्ष 11 माह का समय बिताने के बाद कन्हैया मथुरा के संदेश वाहक अक्रूर की बातें सुन उनके साथ जाने को तैयार हो जाते हैं। अक्रूर की बातें सुनकर यशोदा और नंदबाबा दुःखी हो जाते हैं। गोप ग्वाल सब उदास होकर दुःखी मन से कृष्ण को मथुरा नही जाने को कहते हैं। छोटे से कन्हैया सभी गोकुल वासियों को समझाते हुए कि मैं वापस लौटकर आऊंगा, मैं मेरी मैया से दूर नही रह सकता कहकर..मथुरा चले जाते हैं। 11 वर्ष बाद उद्धव कृष्ण का संदेश लेकर वापस आते हैं और सभी ब्रजवासियों की दशा देखकर भावुक हो जाते हैं। नंदबाबा को कन्हैया की बात बताते हैं और खुद भी दुःखी मन से वापस लौट जाते हैं।

लावारिस मिठाई खाने से पीएचई गार्ड की मौत, दो गंभीर

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा जिले में फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है। पीएचई विभाग के पास स्थित एक होटल में लावारिस हालत में पड़ी मिठाई खाने से पीएचई विभाग में पदस्थ एक गार्ड की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि मिठाई खाने वाले दो अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जुन्नारदेव थाना पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पीएचई विभाग के पास स्थित एक होटल में किसी ने मिठाई से भरी एक थैली छोड़ दी। काफी देर तक जब कोई थैली लेने नहीं आया और न ही किसी ने उस पर दावा किया तो होटल में मौजूद लोगों ने उस थैली से मिठाई निकालकर खा ली।

खाते ही बिगड़ी तबीयत, गार्ड की मौत : बताया जा रहा है कि तीन से चार लोगों ने वह मिठाई खाई थी। उसे खाने के कुछ ही समय बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक सुरेश लोहाना / संपादक प्रहलाद शर्मा / प्रबंध संपादक महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।

विराट हिन्दू सम्मेलन में जुटे हजारों महिला, पुरूष व युवा

अनोखा तीर, हरदा।

खंडवा बायपास स्थित छात्रावास में रविवार को नगर की परशुराम बस्ती का विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। इसके पहले स्थानीय गौंसाईं मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें मातृ शक्ति ने पीले व पुरुष, वरिष्ठ तथा युवाओं ने स्वेत वस्त्र ग्रहण कर रखे थे। विराट हिंदू सम्मेलन की अध्यक्षता पूज्य संत श्री रत्नानंद महाराज तथा मुख्य अतिथ्य महामंडलेशर श्री प्रकाशकनंद महाराज बागदी संगम एवं मुख्य वक्ता योगेंद्र तिवारी की मॉजूदगी में पूर्ण हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम की विस्तृत भूमिका व उददेश्यों पर हिन्दू नेता श्याम शर्मा ने अपनी बात रखी। कार्यकम के संयोजक हेमंत गुर्जर रहे। वहीं पूरे कायक्रम का संचालन राज शर्मा ने किया। ये सम्मेलन हिंदू समाज की समरसता पर केन्द्रीत रहा।

इधर, बाजनियां में उमड़े 5 गांव के लोग

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में क्षेत्र के ग्राम बाजनिया में भी विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें ग्राम बाजनियां के अलावा गाडरापुर, नयागांव, धौलपुर, गाड़ामोड़ सहित 5 ग्राम के लोगों का समागम हुआ। सर्वप्रथम गांव के गांधीचौक पर जनसमूह ने आयोजित कलश यात्रा में हिस्सा लिया, जो कि मधुशाला में संपन हुई। यहां खास यह रहा कि प्रत्येक धर्मप्रेमीजनों को यज्ञ कुंड में अपने हाथों से आहुतियां छोड़ने का सौभाग्य मिला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य कृपा शंकर शाश्वत नीमाखेड़ी वालों पे समाजिक समरसता पर उद्बोधन दिया। गोविंद सिंह राजपूत जिला कार्यवाह ने हिंदुत्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में समरसता के तहत पांचो गांव के कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर एक साथ भोजन किया। किसान नेता दीपचंद नवारद ने बताया कि संपूर्ण सफल कार्यक्रम का जिम्मा बाजनिया मंडल हिंदू सम्मेलन ने निभाया। जो ग्रामवासियों के बीच प्रशंसनीय रहा।

हिन्दू सम्मेलन में शिवाजी की गाथा सुनाई

इसी तरह शहर की खेड़ापति बस्ती में भी विराट हिंदू सम्मेलन हुआ। जिसमें खेड़ापति बस्ती के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के शुभांरभ अवसर पर सुबह 10 बजे राधा कृष्ण मंदिर गाडरी मोहल्ले से कलश यात्रा प्रारंभ की, जो खेड़ापति मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। सम्मेलन के दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजन-नृत्य तथा शिवाजी महाराज पर आधारित नाटिका का मंचन किया गया। इस अवसर पर संयोजक रामभरोस धनकर, संरक्षक पंडित विद्याधर उपाध्याय, रक्षा धनगर, सुरेश भद्रवाले, राधाकिशन कुचबंदिया, लिशिका काले, नर्मदा प्रसाद पटेल मंचासीन रहे। सह संयोजक के रूप में विनोद कुचबंदिया, मुन्नालाल धनगर, अशोक लूनिया, विकास घावरी, जयंत प्रजापति, देवेंद्र भामदरें, दिनेश मौर्य, महेंद्र प्रजापति, हेमराज, सुनील विश्नोई, संजय भावसार, दिनेश चंदवा एवं विकास भद्रवाले ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **कलश यात्रा में उमड़ी मातृशक्तियां** - आयोजन सम्मेलन से पहले निकाली गई कलया यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आ रहा था। पुयषों ने भी हाथों में धर्म ण्वजा थाम रखी थी।
- **समाजिक समरसता का संदेश**- यह भी गौ किया गया कि परयुाराम बस्ती के तमाम लोग कार्यक्रम में यााामिल हुई। जिन्होंने एक जाजम पर बैठकर भोजन किया। यह सब हिन्दूत्व की परिकल्पनाओं को बल प्रदान कर रहा था।

आयोजन में उमड़ा दर्शकों का जनसैलाब...

छोटी हरदा और मगरिया के बैलों ने जीता प्रथम इनाम

अनोखा तीर, हरदा।

इन्दौर-नापुर फोरलेन पर स्थित जेवल्या कृषि फार्म पर रविवार को विशाल बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें हरदा समेत बैतूल, देवास, नर्मदापुरम, खंडवा सहित अन्य जिलो की दौड़जोड़ियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर पूरा ग्राउंड दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। दौड़

प्रेमी विजय जेवल्या ने बताया कि प्रतियोगिता में 45 बैल जोड़ी ने हिस्सा लिया। जिसमें पहला इनाम राजू जेवल्या छोटी हरदा और काव्यांश पटेल मगरिया की बैलगाड़ी ने 51000 रुपए जीता, दूसरा इनाम पूनम पटेल , दीपक पटेल सालाबेड़ी की बैलजोड़ी ने 31000 रुपए जीता, तीसरा इनाम राम कृष्ण मांजू पिपलघटा की बैल जोड़ी ने 21000 रुपए जीता, चौथा इनाम ओम पटेल कायागांव ओर हरि पटेल उमरिया की बैलजोड़ी ने 11000 रुपए जीता। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका शिवरतन पप्पू पटेल और सत्यनारायण बाबल मास्टर साहब निरखी ने निभाई। वहीं विसिल मास्टर श्याम भाई नकतराखापा की सक्रिय भूमिका रही। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशेष अतिथि ओलंपिक संघ के अध्यक्ष संदीप पटेल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय जेवल्या, वंशीलाल पवार, मुकेश पटेल शामिल रहे। श्री जेवल्या ने बताया कि दीपक पटेल टेमलाबाड़ी, जगदीश पटेल उड़ा ,कन्हैया पटेल भारी, सुनील गोलिया, मनोज पटेल , रवि मातवा, राहुल पुनिया, राहुल जेवल्या, राहुल डूडी, ललित पटेल और कमल फैंस क्लब के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घोषणा - 1 लाख 11 हजार पहला इनाम

दौड़ के समापन अवसर पर उपस्थित किसानों के साथ साथ दौड़प्रमियों को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल ने आगामी 26 जनवरी को विराट दौड़ की घोषणा की है। ये आयोजन समस्त पूर्वजों की स्मृति में कीरसा जाएगा। जिसका पहला इनाम 1 लाख 11 हजार 11 रूपये रखा गया है। घोषणा के बाद ग्राउंड पर मौजूद दौड़प्रेमियों में हर्ष देखने को मिला।

प्रधान आरक्षक 4 दिन से लापता, मोबाइल बंद

अनोखा तीर, हरदा। जिले के हंडिया थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल रत्नेश देवड़ा पिछले चार दिनों से रहस्यमय तरीके से लापता हैं। वे 7 जनवरी को ड्यूटी पर जाने का कहकर घर से निकले थे, लेकिन न तो थाने पहुंचे और न ही घर लौटे। उनकी पत्नी नर्मदा बाई की शिकायत पर हंडिया थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है, लेकिन अब तक उनका और उनकी कार का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। हंडिया टीआई आरपी कवरेती ने बताया कि हेड कॉन्स्टेबल रत्नेश देवड़ा 7 जनवरी को सुबह 9 बजे अपनी कार से थाने जाने के लिए पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास से निकले थे। दोपहर करीब 12.30 बजे तक उनसे मोबाइल पर बात हुई थी, लेकिन इसके बाद से उनके दोनों मोबाइल नंबर बंद आने लगे। पत्नी ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी पता किया, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। विभागीय सूत्रों के अनुसार, लापता हेड कॉन्स्टेबल रत्नेश देवड़ा का बीते कुछ महीनों से आध्यात्मिक ज्ञान की ओर रुझान काफी बढ़ गया था। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे किसी संत के प्रभाव में आकर उसी मार्ग पर चले गए हों। रत्नेश अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ हरदा पुलिस लाइन में रहते हैं। पुलिस फिलहाल उनकी कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन के आधार पर उन्हें ट्रेस करने का प्रयास कर रही है।

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

अनोखा तीर, टिमरनी। पुलिस टीम द्वारा रविवार को रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक टैक्टर-ट्राली को पकड़ा गया है। बताया गया कि एसपी हरदा श्री शशांक एवं एएसपी अमित कुमार मिश्रा व एसडीओपी टिमरनी श्रीमती आंकाक्षा तलया के निर्देशन व थाना प्रभारी टिमरनी मुकेश गौड़ के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा एक अवैध रेत परिवहन करने बाले ट्रेक्टर ट्राली व चालक के विरुद्ध कार्यवाही कर ट्रैक्टर-ट्राली को जप्त किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को चौकी करताना थाना टिमरनी की पुलिस टीम को अवैध रेत परिवहन करने की सूचना मिली। जिस पर उक्त टीम द्वारा ग्राम सोनखेड़ी एवं सन्यासा के बीच नहर की पुलिया के पास चौकी करताना में एक हरे रंग का जॉन डियर कंपनी का ट्रैक्टर-ट्राली आते दिखा। जिसे रोक कर उसके चालक से अपना नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम नीरज पिता रामबक्स हरिजन उम 26 साल निवासी ग्राम अजनई थाना हंडिया का होना बताया। तथा ट्राली में भरी खनिज सम्पदा रेत की बैध रायल्टी मांगने पर कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिया। आरोपी का कृत्य आपराध धारा 303(2) बीएनएस एवं 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम के तहत दंडनीय पाये जाने से विधिवत आरोपी के कब्जे से एक ट्रैक्टर क्रमांक एमपी ४७ एएच 3441 जॉन डियर कंपनी का हरे रंग का जिसमें हरे रंग की ट्राली लगी थी। वहीं उसमें करीबन तीन घन मीटर रेत किमती 6 हजार रुपए की जप्त कर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। संयुक्त पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रकाश सोलंकी, सहायक उपनिरीक्षक नानकराम कुशवाह, प्रधान आरक्षक विकाश पंवार का विशेष योगदान रहा।

हरदा में मची कमल खेल महोत्सव की धूम

अनोखा तीर, हरदा। जिला ओलम्पिक संघ के तत्वाधान में हरदा जिले में जिला स्तरीय कमल खेल महोत्सव आयोजन किया जा रहा है।

खेल महोत्सव के अंतर्गत रविवार को बैडमिंटन, पिट्टू एवं कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ बैडमिंटन इनडोर स्टेडियम पर बैडमिंटन के खिलाड़ियों को खेल कीट टी-शर्ट का विरतण जिला ओलम्पिक संघ अध्यक्ष संदीप पटेल के द्वारा किया गया।

आज आयोजित प्रतियोगिताएं...

- **बेडमिंटन** - बालिका वर्ग 19 वर्ष में कणिका नरवरे प्रथम, रागनी सोलंकी द्वितीय एवं मसिरा अली तृतीय स्थान पर रही। इसी के साथ ही बालिका वर्ग 25 वर्ष में लाड़ली गुर्जर प्रथम, सिद्धि पचौरी द्वितीय एवं चंचल गहलोत स्थान पर रही। बालक वर्ग 19 वर्ष में कृष्णा पटवारी प्रथम, प्रखर शर्मा द्वितीय, सक्षम गौर तृतीय स्थान पर रहे। बालक वर्ग 25 वर्ष में उज्जवल गौर प्रथम, फैज अहमद द्वितीय अंकित श्रीवास तृतीय स्थान पर रहे।
- **कबड्डी प्रतियोगिता** - बालक वर्ग 19 वर्ष में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय टिमरनी प्रथम, द्वितीय स्थान पर चारूवा एवं तृतीय स्थान शास हाय सेकेंडरी स्कूल मासनगांव ने प्राप्त किया। इसके साथ ही बालक वर्ग 25 वर्ष में जंभेश्वर नीमगांव प्रथम, मारुति फिजिकल अकादमी द्वितीय एवं मारुति फिजिकल अकादमी सी टीम तृतीय स्थान पर रही।
- **कुश्ती प्रतियोगिता** - बालिका वर्ग अंतर्गत 60 किग्रा में दिव्यांशी जाट प्रथम, 63 किग्रा में वेदिका विश्नोई प्रथम एवं 66 किग्रा में वंशिका विश्नोई प्रथम स्थान पर रही। पुरुष वर्ग अंतर्गत 30 किग्रा में निहाल महोरिया प्रथम, 35 किग्रा में मुबारिक खान प्रथम, 40 किग्रा में विराट विश्नोई प्रथम, 50 किग्रा में अल्फेज खान प्रथम, 60 किग्रा में पियूष गौर प्रथम, 66 किग्रा में प्रशांत जाट प्रथम, 70 किग्रा में दिव्यांश विश्नोई प्रथम, 80 किग्रा में कर्ण वास्का प्रथम एवं 85 किग्रा माधव विश्नोई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खेत की मढ़िया में हनुमान प्रतिमा खंडित, पुलिस कर रही जांच

अनोखा तीर, हरदा। जिले के रहटगांव थाना क्षेत्र के बंदीमालोर गांव में हनुमान जी की एक प्रतिमा को खंडित किए जाने का मामला सामने आया है। घटना बीती रात गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर एक खेत में बनी मढ़िया में हुई। सूचना मिलने पर रहटगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। रहटगांव थाना प्रभारी मनोज दुबे ने बताया कि बंदीमालोर गांव के पास खेत में स्थित मढ़िया में प्रतिमा खंडित होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से पूछताछ शुरू की। उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हनुमान प्रतिमा को किसी व्यक्ति ने जानबूझकर खंडित किया है या फिर मंदिर की सफाई अथवा अन्य गतिविधियों के दौरान प्रतिमा को नुकसान पहुंचा है। दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अनोखा तीर, हरदा। जिले के हंडिया थाना क्षेत्र के ग्राम बैड़ी में रविवार सुबह करीब दस बजे एक 20 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान हरिप्रसाद पिता नर्मदाप्रसाद मोरी 20 वर्ष के रूप में हुई है। उसने अपने घर के अंदर फांसी लगाई। घटना के समय हरिप्रसाद के माता-पिता और अन्य परिजन मजदूरी करने गए हुए थे। घर के बाहर उसके बुजुर्ग दादाजी सो रहे थे। घर में किसी के मौजूद न होने पर उसने यह कदम उठाया। फिलहाल आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरिप्रसाद अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और गांव के ही एक टेंट हाउस में मजदूरी करता था। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह ही मृतक ने गांव के एक सैलून से सेविंग और कटिंग करवाई थी, जिसके कुछ देर बाद उसने यह कदम उठाया।

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र से शहर तक अवैध रेत का जाल

- 33 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट में चोरी की रेत का खुलेआम इस्तेमाल

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

जिले के मोहासा में प्रस्तावित 33 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले औद्योगिक क्षेत्र में अवैध रेत के उपयोग का मामला अब और गंभीर होता जा रहा है। मीडिया द्वारा किए गए निरीक्षण में न केवल औद्योगिक क्षेत्र में बल्कि शहर और आसपास के मार्गों पर भी चोरी की रेत के बड़े-बड़े स्टॉक सामने आए हैं। कई कंपनियां रेत से संबंधित रॉयल्टी और वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी, जिससे पूरे मामले ने बड़ा रूप ले लिया है। सूत्रों के अनुसार मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे अर्थवर्क और निर्माण कार्यों में नर्मदा एवं आसपास के क्षेत्रों से चोरी कर लाई गई रेत का उपयोग किया जा रहा है। इससे शासन को करोड़ों रुपये की रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है, वहीं ठेकेदार और कंपनियां अवैध तरीके से लागत घटाकर निर्माण कार्य कर रही हैं। मीडिया टीम को निरीक्षण के दौरान कोई भी कंपनियों रॉयल्टी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए।

इन कंपनियों का किया था मीडिया ने निरीक्षण - भगवती राइस मिल (गौरव मनचंदानी)/गोपाल बिल्डर्स कैपिटल प्लानेट सोलर प्लांट (सीसीपीएल) लैंड मिल प्राइवेट लिमिटेड, स्वाति कंस्ट्रक्शन, जिप्रा कंस्ट्रक्शन कैम्पा कोला शामिल बताई जा रही हैं। जानकारी

के अनुसार इन सभी कंपनियों ने अर्थवर्क का काम पेटी कॉन्ट्रक्ट पर ठेकेदारों को दे रखा है। ठेकेदार इसी आड़ में चोरी की रेत का उपयोग कर निर्माण कार्य करवा रहे हैं, जिससे सरकार और ठेका कंपनियों दोनों को राजस्व और गुणवत्ता के स्तर पर नुकसान हो रहा है। मामला यहीं तक सीमित नहीं है। मीडिया को यह भी जानकारी मिली है कि पिपरिया रोड स्थित नर्मदा वैली स्कूल के सामने एससी जैन कंस्ट्रक्शन के प्लॉट पर भी चोरी की रेत का बड़ा स्टॉक जमा है। इसके अलावा बुधनी एनएच-69 मार्ग पर अब्दुल्लागंज की एक कंपनी द्वारा लगाए गए प्लांट के पास भी अवैध रेत का स्टॉक पाए जाने की बात सामने आई है। इससे स्पष्ट है कि अवैध रेत का कारोबार सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे जिले में फैल चुका है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों का आरोप है कि यह पूरा अवैध रेत कारोबार प्रभावशाली सफेदपोश नेताओं और रसूखदारों के संरक्षण में फल-फूल रहा है। बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अवैध और बिना गुणवत्ता जांच की रेत से किए गए निर्माण भविष्य में बड़े हादसों का कारण बन सकते हैं। इससे श्रमिकों, निवेशकों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर सीधा खतरा पैदा हो सकता है।

गौरतलब है कि शासन स्तर पर इस परियोजना को प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ माना जा रहा है। यदि ऐसे में अवैध रेत के सहारे निर्माण कार्य होता रहा तो इससे न केवल 33 हजार करोड़ के इस ड्रीम प्रोजेक्ट की साख को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि भविष्य में निवेशकों का भरोसा भी डगमगा सकता है। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन इस पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर ठोस कार्रवाई करेगा, या फिर अवैध रेत के सहारे विकास के नाम पर नियमों की धज्जियां उड़ती रहेगी।

इनका कहना है...

मीडिया के माध्यम से यह मामला हमारे संज्ञान में आया है। इसकी जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध शीघ्र नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

– देवेश मरकाम
खनिज अधिकारी।